RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 15 अंक : 187 29 जनवरी, 2021 मूल्य : 30/-प्रति

बरेली में मातृ शक्ति सम्मान

जोधपुर में महिला शिक्षिका सम्मान

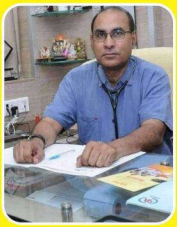

सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के वैक्सिन बनाने वाले टीम के सदस्य डॉक्टर जे.एस. कुशवाहा जी हमें आप पर गर्व है।

जोधपुर में आयोजित सावित्री बाई फूले जयंति कार्यक्रम की झलकियां

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

• वर्ष : 15 • अंक 187 • 29 जनवरी, 2021 • मूल्य : 30/-प्रति •

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

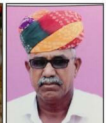

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(ह्रदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चन्द्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

संपादक की कलम से...

समाज के विकास का मूल मंत्र है स्वस्थ रहना, शिक्षित बनना व संगठित रहना। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क होता है, स्वस्थ मस्तिष्क होगा तो शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ बनेंगे। विवेकशील बनेंगे तो श्रेष्ठ निर्णय शक्ति का विकास होगा। उच्च विचारों से युक्त अपना मानव जीवन एक आदर्श इंसान का निर्माण कर सकेंगा। अपने जीवन में व्याप्त कुटिलताएं, राग, द्वेष, ईर्ष्या, एक दूसरे को नीचा दिखाने की भावनाएं समाज के संगठन में बाधा बनी हुई है। जब तक समाज संगठित नहीं होगा, शिक्षित नहीं होगा तो समाज के विकास में अवरोध बना रहेगा। इसका परिणाम हमारे सामने है, हमारा जीवन स्तर दूसरे समाजों की तुलना में काफी पिछड़ा हुआ है। समाज को जाग्रत करने के लिए विद्वान व बुद्धिजीवी वर्ग पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से समय-समय पर मार्गदर्शन करते रहे है। इसमें प्रारम्भ से आज तक माली सैनी संदेश जैसी समाज की पत्रिका ने समाज को जाग्रत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में माली सैनी संदेश अपनी विवेकशील दृष्टि व उदार व्यवहार से समाज में परिवर्तन व जाग्रति ला रही है।

समाज को आगे बढ़ाने व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभी प्रकार के आपसी भेदभाव भुलाकर संगठित होकर आगे बढ़ें। मौजूदा समय में युवा वर्ग शिक्षा से दूर कुव्यसनों व नशे से सरोबोर हो रहा है यह गहन चिन्तन का विषय है। आज का छात्र/ युवा कल का राष्ट्र निर्माता है। समाज में सामुहिक विवाह एक आदर्श एवं हर स्तर के परिवार के लिए सराहनीय कदम है। सामुहिक विवाह मेंअधिक से अधिक जोड़ों को सम्मिलित करके एक उदाहरण प्रस्तुत करें। बाल विवाह कानूनन जुर्म है, बाल विवाह रोकें एवं अन्य को रोकने को प्रेरित करें। हमारे समाज में दहेजप्रथा व टीका दस्तुरी का भी कुछ धनी परिवारों में प्रचलन चल रहा है। विवाह में दिखावे के लिए पैसा पानी की तरह बहाया जाता है। इसी प्रकार मध्यम वर्ग के व आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी उनकी देखा-देखी करते है व कर्ज में डूब जाते है। इन बुराइयों से हमें बचना है ताकि उस राशि को बच्चों की शिक्षा पर व समाज के विकास में लगा सके तभी हमारा समाज आगे बढ़ेगा व अपना स्थान अन्य समाजों की तुलना मेंअपनी पहचान बना सकेगा।

राजनीति के क्षेत्र में भी हमारा प्रतिनिधित्व नहीं के बराबर है। हमें आपसी फूट व पार्टीबाजी में पड़कर एक दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति से भी बचाना पड़ेगा। चाहे किसी भी पार्टी का हो यदि योग्य व समाज के प्रति समर्पित हो तो सभी प्रकार के भेदभाव भुलाकर उन्हें सहयोगें दें। फूट का परिणाम हम कई बार भुगत चुके हैं। हमारे समाज में मतदाताओं की संख्या कम नहीं है लेकिन अलग-अलग बंटे रहने से मतदाताओं की संख्या कम नहीं है लेकिन अलग-अलग बंटे रहने से हीम किसी भी पद पर पहुंचने में असमर्थ रहते है, कुछ अपवाद छोड़कर। हमारे समाज में योग्य व बुद्धिजीवी लोगों की कमी नहीं है मात्र संगठित होकर उन्हें समर्थन देने की आवश्यकता है। एक दूसरे की टांग खिंचाई बन्द करें सुख-दुःख में सहायता करें, तभी हम दूसरों के पीछे चलकर ही तो हमारा स्वाभिमान खोते जा रहे है। हीन भावना का त्याग करें। जब मन में दृढ़ संकल्प कर लें तो राह के शूल भी फूल बन जाते है। अतः संकटों से घबरा कर प्रयास नहीं छोड़ने चाहिए।

जो व्यक्ति केवल काम के आरम्भ को देखता है वह अंधा है, जो परिणाम को ध्यान में रखे व बुद्धिमान है। कमजोर आदमी हर काम को असम्भव समझाता है और आशावादी हर असम्भव कार्य को साधारण समझता है। संगठन में वह शक्ति है कि नन्हीं चींटियाँ अपने से दस गुने वजन को उठाकर ले जाती है, हमें चींटियों से प्रेरणा लेनी है- अतः सबके साथ अच्छा व्यवहार। जिस काम को करने से आत्मा मना करे उस काम को ना करें। यदि देखना है तो दूसरों के गुण देखिये और कुछ छोड़ना है तो अपनी कमजोरियं छोड़िये। क्रोध व अहंकार विनाश का कारण है।

आईए! नव वर्ष के अवसर पर आज शपथ लेते हैं कि अपने आने वाली पीढ़ी को शिक्षित, संस्कारित व संगठित करेंगे। समाज के विकास के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

नव वर्ष की मंगलमयी शुभकामनाओं सहित

नव वर्ष पर ले प्रण

स्वस्थ रहे
शिक्षित बने
संगठित रहे

मनीष गहलोत
संपादक

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

देश भर में माता सावित्री बाई फूले जयंति पर सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन

माता सावित्री बाई फूले ने विषम परिस्थितियों में सैकड़ों वर्ष पूर्व बालिका विद्यालय, विधवा विवाह, अनाथ आश्रम जेसे कार्य कर मातृशक्ति की शक्ति का अहसास कराया–राजेन्द्र गहलोत

समाज की 151 उत्कृष्ठ महिला शिक्षिकाओं का किया गया सम्मान।

विभिन्न विद्यालयों में 190 चित्र माता सावित्रि बाई एवं महात्मा ज्योति बा फूले के संस्था द्वारा लगाए जाएंगे।

शीघ्र ही संस्थान द्वारा माता सावित्रि बाई फूले की प्रतिमा भी लगाई जाएगी।

जोधपुर। भारत की प्रथम शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले की 190वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। माली सैनी समाज सेवा संस्थान द्वारा आयोजित उत्कृष्ठ महिला शिक्षिका एवं महिला पार्षद सम्मान समारोह एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में सैकड़ों शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने अपने उद्‌बोधन में माता सावित्री बाई फूले के सैकड़ों वर्ष पूर्व सामाजिक उत्थान एवं जाग्रति के किए कार्यो का वर्णन करते हुए कहा कि जब ज्योति बा फूले ने माता सावित्री बाई को पढ़ा कर भारत की प्रथम शिक्षिका बनाया और लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला तो महिलाओं और बालिकाओं को पढ़ाने जाते वक्त लोगों द्वारा उन पर कीचड, गौबर डाला जाता उनको पत्थरों से मारा जाता लेकिन वो दृढ़ संकल्पित हो अपने कार्य के लिए जाती और घर से ही एक अतिरिक्त साड़ी ले कर जाती थी। यहीं नहीं उन्होंने विधवा, परित्यागता महिलाओं के होने वाले बच्चों के लिए अनाथ आश्रम उस जमाने में शुरू किया था तथा वहीं से एक बालक को गोद ले यशवंत को माता पिता का नाम दिया था। इसके अलावा वो महिलाओं की जन जाग्रति के लिए दिन रात अपने पति महात्मा फूले के साथ कार्य करती थी। उनकी मृत्यु भी प्लेग में लोगों की सेवा करते समय हुई।

कार्यक्रम के शुरूआत में मुख्य अतिथि राजेन्द्र गहलोत, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा प्रेमचंद सांखला, नवजीवन संस्था के प्रभारी समाजसेवी राजेन्द्र परिहार, संस्था के उपाध्यक्ष रंगकर्मी, पूर्व नगर पालिका ईओ जितेन्द्र परमार सहित संस्था के पदाधिकारियों ने माता सावित्री बाई फूले के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पाजंलि कर समारोह की शुरूआत की।

इसके बाद मंचासीन अतिथियों ने समाज की उत्कृष्ठ महिला शिक्षिकाओं को सम्मानित किया जिसमें राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय स्तर पर तैराकी एवं ऐथिलिटिक्स में समाज को देश में गौरवान्वित कर अनेकों स्वर्ण रजत पदक जीतने वाली तिवंरी की पुरण माली की कोच इन्द्रा भाटी को सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न सरकारी विद्यालयों की प्रधानाध्यापिकाओं, वरिष्ठ अधियापिकाओं, अध्यापिकाओं शारीरिक शिक्षिकाओं के साथ ही मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, जय नारायण विश्व विद्यालय की महिला प्रोफेसर, लेक्चररों का स्वागत आरंभ किया गया। इसी कड़ी में प्रेमचंद सांखला संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग ने अपने उद्‌बोधन में सावित्री बाई द्वारा सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं को चुनौती दी चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ण-जाति व्यवस्था को तोड़ने और महिलाओं पर पुरुषों के वर्चस्व के खात्मे के लिए सावित्री बाई फूले ने संघर्ष किया. महाराष्ट्र के पुनर्जागरण की अगुवाई शूद्र और महिलाएं कर रही थीं. इस पुनर्जागरण के दो स्तंभ थे सावित्री बाई फूले और उनके पति सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योति बा फूले ही थे।

प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र परमार ने अपने उद्‌बोधन में संस्थान के द्वारा इस अनुठे आयोजन के लिए सभी का आभार प्रकट करते हुए इसकी महत्ती आवश्यकता बताया तथा समाज की मातृशक्ति की इतनी बड़ी संख्या में शिक्षा के क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान को सावित्री बाई फूले का सच्ची श्रद्वाजंलि बताया आपने माली समाज के मेहनती, अनुशासन और सभी को साथ लेकर चलने वाला समाज बताया आपने यह भी कहा कि हिंदू धर्म, सामाजिक व्यवस्था और परंपरा में शूद्रों और महिलाओं को एक समान माना गया है. ग्रंथों में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि स्त्री और शूद्र एक समान होते हैं. हिंदू धर्मशास्त्र ये भी कहते हैं कि स्त्री तथा शूद्र अध्ययन न करें. ये स्थापित मान्यताएं थीं और सभी वर्णो के लोग इनका पालन करते आए थे.

व्यवस्था और परंपरा में शूद्रों-अतिशूद्रों और महिलाओं के लिए तय स्थान को आधुनिक भारत में पहली बार जिस महिला ने संगठित रूप से चुनौती दी, उनका नाम सावित्री बाई फूले था। वे शूद्रों-अतिशूद्रों की मुक्ति और महिलाओं की मुक्ति के लिए आजीवन संघर्ष करती रहीं। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि वो हमारे समाज से है।

कार्यक्रम में समाज की हाल ही में संपन्न हुए नगर निगम चुनावों में विजयी 10 महिला पार्षदों का भी सम्मान किया गया। यहीं नहीं समारोह में उपस्थित 4 पुरूष पार्षदों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री सैनिक क्षत्रिय पूंजला नाड़ी के संरक्षक छंवरलाल माली, पूंजला नाड़ी में प्याऊ का निर्माण करने वाले युवा राजनेता आदित्य सिंह गहलोत को भी सम्मानित किया गया।

संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मनीष गहलोत ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा की संस्था द्वारा आज से समाज के सभी विद्यालयों में माता सावित्री बाई फूले और महात्मा ज्योति बा फूले के 190 चित्र लगाए जाएगें। हाल ही में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आदेश जारी कर राज्य के सभी जिलों की स्कूलों में दोनों की फोटो लगाने की घोषणा की थी। हम इसके अलावा माता सावित्री बाई फूले की 6000 जीवन परिचय के पपत्र सर्व समाज में वितरीत कर चुके है तथा माता सावित्री बाई फूले और महात्मा ज्योति बा फूले को भारत रत्न देने की भारत सरकार से मांग कर हस्ताक्षर अभियान भी आरंभ

करेगें जो पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में विशेष सहयोग करने वाले शिक्षा विभाग के अधिकारी लक्ष्मण सिंह गहलोत का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पधारें अतिथियों का संस्थान के प्रदेश सचिव धमेन्द्र सिंह सांखला, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना परिहार, कोषाध्यक्ष योगाचार्य श्याम भाटी, सचिव जगदीश देवड़ा एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पधारें सभी अतिथियों एवं प्रबुद्वजनों का आभार संस्थान की जोधपुर जिलाध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता परिहार ने करते हुए माता सावित्री बाई फूले के जीवन से प्रेरणा ले महिलाओं के उत्थान विशेषकर शिक्षा में समाज की मातृशक्ति को आगे आने का आव्हान किया।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विशेष रूप से बालरवां से आएं डाक विभाग के पोस्ट मास्टर एवं युवा समाजसेवी अशोक टाक का भी अतिथियों द्वारा बहुमान किया गया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में महिलाओं और युवाओं ने रक्तदान किया जिसमें संस्थान के जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह गहलोत, सह सचिव प्रेमाराम परिहार, सह कोषाध्यक्ष एडवोकेट सुभाष परिहार, राधेश्याम सांखला, ज्योति सैनी का विशेष योगदान रहा। इसके साथ ही कार्यक्रम की दूसरे भाग में संस्थान एवं अनंता आयुर्वेद एवं योग अनुसंधान संस्थान के संयुक्त रक्तदान शिविर में भी रक्तदान का आयोजन पावटा स्थित योग केन्द्र में भी किया गया दोनों रक्तदान शिविरों में कुल 75 यूनिट रक्तदान युवाओं एवं महिलाओं द्वारा किया गया।

जयपुर। महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थान की ओर से संस्थान प्रांगण विद्याधर नगर, सेक्टर 3, जयपुर में सावित्रीबाई फूले की 190 वी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया व उनके आदर्शो को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। जयपुर जिला अध्यक्ष भवानी शंकर माली ने बताया कि कार्यक्रम में महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मांगीलाल पंवार, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी फूल वाले, बिरधीचंद सिंगोदिया संरक्षक महासभा, इंदर राज सैनी एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष महासभा, हजारी लाल सैनी, शंकरलाल ठेकेदार, मूलचंद इंदौरा, ओम प्रकाश सैनी ट्रांसफार्मर वाले, प्रभुनारायण खादीवाले, चंदालाल सैनी वैद्यजी, रामप्रसाद राकसिया, सीताराम सैनी (अपरलोक अभियोजक), बनवारी लाल सैनी, संजय सैनी, नाथू लाल सैनी, शंकर लाल माली, रमेश सैनी, वीरेंद्र सैनी, देवेन्द्र सैनी, मोहित सैनी छात्र नेता,रमेश कटारिया सहित गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि की।

भीलवाड़ा। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की 190वीं जयंती फूले सेवा संस्थान के तत्वावधान में जिले भर में हर्शोल्लास के साथ मनाई गई। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले मूर्ति परिसर में सावित्रि बाई फूले के चित्र के समक्ष पुष्पाजंलि अर्पित कर प्रेरणा दिवस के रूप में मनाते हुए फूले के अनुयायियों ने सावित्री बाई फूले को नमन कर उनके द्वारा बताये गये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर ''आज के दौर में कितनी प्रासंगिक है सावित्री बाई फूले'' व्याख्यान माला भी आयोजित की गई। फूले सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपाल लाल माली ने सावित्री बाई फूले द्वारा किये गये कार्यों की महत्ता बताते हुए कहा कि शिक्षा समाज की धुरी है कोई भी समाज शिक्षा के माध्यम से न केवल प्रगति पर आगे बढ़ सकता है। अपितु देश के भीतर आमूलचूल परिवर्तन भी ला सकता है। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले इसका अनुकरणीय उदाहरण है। सभी महिलाओं को उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सावित्री बाई फूले देश की पहली महिला अध्यापिका व नारी मुक्ति आंदोलन की पहली नेता थी। लेकिन एक ऐसी महिला जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में छुआ-छूत, सतीप्रथा, बाल-विवाह, तथा विधवा-विवाह निषेध जैसी कुरीतियां के विरूद्ध अपने पति महात्मा ज्योतिबा फूले के साथ मिलकर काम किया पर उसे आज हिंदुस्तान ने भुला दिया। ऐसी महिला को हमारा शत-शत नमन।

समारोह में माली समाज के अध्यक्ष बंशीलाल माली व माली सैनी युवा महासभा के जिलाध्यक्ष हरनारायण माली ने सावित्री बाई फूले की शिक्षाओं को जीवन में उतार कर एवं उन पर अमल करने पर जोर दिया तथा शिक्षा क्षेत्र में हाल ही हो रहे आमूलचूल परिवर्तनों को भी अपनाने की बात कही।

कार्यक्रम के पूर्व फूले के अनुयायियों ने सावित्री बाई फूले एवं महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सजदा किया। इस अवसर पर युवा महासभा के शहर अध्यक्ष देबीलाल माली, भैरू माली, नानूराम गोयल, शंकरलाल, श्रीमती सुनिता, श्रीमती जया चंदेल, अंजली, मोहन बुलिवाल, मुरली सैनी, लक्ष्मण सरिवाल, भैरूलाल खोईवाल, देबीलाल, जगदीश चंद्र माली, सीताराम, सम्पत बुलिवाल, रामचन्द्र मून्दड़ा, प्रकाश तुन्दवाल, गणपत माली, सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

भीलवाड़ा माली महिला मंडल द्वारा मास्क वितरित : माली महिला मंडल द्वारा प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फूले जयंती के साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत सावित्री बाई फूले सब्जी मंडी (सुबह की सब्जी मंडी) में फल व सब्जी विक्रेता के साथ-साथ सब्जी लेने आए सभी को मास्क वितरित कर कोरोना वायरस से सावधानी बरतने के साथ ही अपनी सुरक्षा स्वयं रखने व अन्य को सुरक्षित रखने को कहा। मंडी परिसर में सब्जी और फल विक्रेताओं को मास्क पहनना ,बार-बार हाथ धोना, सैनिटाइज का उपयोग करना, एवं आने वाले ग्राहकों को भी इसकी पालना करने का संकल्प दिलाया।

मास्क वितरित कार्यक्रम मे अध्यक्षा श्रीमती प्रतिभा माली, उपाध्यक्षा श्रीमती संजना गोयल, सचिव श्रीमती प्रिया गहलोत, कोषाध्यक्षा श्रीमती सपना माली मंत्री श्रीमती चंद्रकला गोयल, मंत्री श्रीमती प्रेम माली, व विमला माली, निधि माली, नीतू माली, ललिता माली, ख्याली माली, देवकी माली ,भूमिका सैनी, आदि महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहे।

उदयपुर। ''सावित्री बाई शिक्षा संकुल परिसर'' पुरोहितों की मादड़ी में सावित्री बाई फूले की जयंति दिनांक को महिला शिक्षिका दिवस के रूप में मनाई गई। जयंति समारोह को भव्य रूप से मनाने के लिये कार्य को संभालने के लिये अलग-अलग समिति गठित की गई। संस्थान के निदेशक श्री दिनेश माली ने बताया की कार्यक्रम में सावित्री बाई फूले की स्मृति में शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीया श्रीमती सज्जन कटारा, प्रधान, गिर्वा, उदयपुर एवं विशिष्ट अतिथि श्री हरिलाल सालवी एवं अध्यक्षता श्री हरकलाल जी चांगवाल द्वारा की गई। सावित्री बाई फूले जयंति को महिला शिक्षिका दिवस के रूप में आयोजित करते हुए श्रीमती सज्जन कटारा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं दीपिका माली, सहायक प्रोफेसर, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर श्री हरकलाल जी चांगवाल, सहायक अभियंता विद्युत, नगर निगम, उदयपुर के सेवानिवृति पर संस्थान द्वारा उनका अभिनन्दन किया गया। सुश्री दीपिका माली, सहायक

प्रोफेसर मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं ख्यात चित्रकार द्वारा निर्मित ज्योति बा फूले एवं सावित्री बाई फूले के संयुक्त चित्र का अनावरण श्रीमती सज्जन कटारा द्वारा किया गया।

सीकर। भारत देश की प्रथम महिला अध्यपिका माता सावित्री बाई फूले की 190 वी जयंती पर आज विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। फूले ब्रिगेड के जिला प्रमुख जयप्रकाश सैनी ने बताया कि सैनी मन्दिर में रविवार 3 जनवरी को सुबह 9 बजे से विशाल रक्तदान शिविर ,पौष बड़ा महोत्सव प्रसाद ,एवम नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एस. एस.ब्लड बैंक जयपुर, श्री कल्याण ब्लड बैंक सीकर, जैन ब्लड बैंक सीकर की टीमो ने 375 यूनिट रक्त संग्रहित । कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सावित्री बाई फूले के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन करके किया गया।

कार्यक्रम में रक्तदाताओं को फूले दम्पति की प्रतिमाएं भेंट करके सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य परमानन्द सैनी, पाटन पंचायत,सरपंच रामलाल राधाकिशनपुरा, महावीर कॉमरेड शिवसिंहपुरा, राजकुमार रैवासा, ओमकार रापोली, धीसालाल हर्ष, पंचायत समिति सदस्य श्रीमति सरोज सैनी, झुमर मल तंवर, सुमन सैनी सहित समाज के जीते हुए जन प्रतिनिधियों के स्वागत किया गया।

कांमा। आज सैनी समाज छात्रावास पहाड़ी रोड कामाँ पर माता सावित्रीबाई फूले की 190 वी जयंती सभी समाज बंधुओं की देखरेख में मनाई गई। कार्यक्रम सोमपाल सैनी पूर्व पार्षद लाला मोहल्ला एवं सर्वेश सैनी एडवोकेट दिल्ली दरवाजा की अध्यक्षता में मनाया गया। सर्वप्रथम मां सावित्री बाई फूले एवं ज्योतिबा फूले के चित्रों पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कामाँ नगर पालिका में नवनिर्वाचित पार्षदों का स्वागत माल्यार्पण व साफा बाध कर किया गया। सावित्रीबाई फूले की जीवनी पर सर्वेश सैनी द्वारा प्रकाश डाला गया। छगन बाबू ने समाज के नवनिर्वाचित पार्षदों से समाज के हित में कार्य करने का आव्हान किया एवं समाज को एकजुट बनाए रखने के लिए सहभागिता निभाने का संकल्प दिलाया । इंद्रोली से पधारे अशोक सैनी सरपंच महोदय ने भी अपने विचारों से समाज के सभी बंधुओं को लाभान्वित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री दौलत राम सैनी अध्यापक द्वारा किया गया ।

कोटा। राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड कोटा द्वारा भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले की जयंती पर शिक्षा सामग्री का वितरण किया। माँ सावित्रीबाई फूले की जयंती पर मां सावित्री बाई के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड कोटा जिला समस्त कार्यकारिणी द्वारा बंजारो का टांडा रानपुर कोटा में शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा सामग्री का वितरण किया गया और बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के प्रति प्रोत्साहित किया गया मौके पर ही बच्चों को सिलेट व पुस्तक एवं बत्ती का वितरण किया गया और साथ ही बच्चों को लिखना व पढ़ना सिखाया साथ ही बच्चों से संकल्प लिया की वह अध्ययन कर देश का नाम रोशन करेंगे मौके पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने छोटे- छोटे समूह में रहकर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बच्चों को रेखा बनाना व शब्द लिखना सिखाया । इस अवसर पर उत्साहित बच्चों ने नियमित अध्ययन करने का संकल्प लिया ।

चौमूं। महात्मा ज्योतिराव फूले विकास संस्थान के तत्वाधान में सैनी समाज सभा भवन में आयोजित सावित्री बाई फूले की 190 वी जयंती समारोह विष्णु कुमार सैनी अध्यक्ष नगर पालिका चौमूं के मुख्य आतिथ्य में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता सैनी समाज अध्यक्ष व संस्थान के संरक्षक प्रहलाद सहाय अधोपिया ने की इस अवसर पर नव निर्वाचित चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी का सफा व माल्यार्पण कर सभी उपस्थित समाजबंधुओं द्वारा स्वागत किया गया, इस अवसर पर चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने सावित्री बाई फूले के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए नारी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई। इस अवसर पर संस्थान के मंत्री ओमकार तंवर, दिनेश कुमार तिगरिया अध्यक्ष राष्ट्रीय संस्थान, उपाध्यक्ष राजकुमार काकरवाल, कोषाध्यक्ष महेन्द्र कुमार जमालपुरिया, सयुंक्त मंत्री ओम भगत, अनिल कुमार सैनी एलआईसी, सुवालाल सिंगोदिया, अर्जुन लाल सिंगोदिया, डॉ मानप्रकाश, पूर्व चेयरमैन नानू राम सैनी एवं कार्यकारिणी सदस्य व समाज के अनेक महानुभाव उपस्थित रहे।

मां सावित्रीबाई फूले जंयती को 'बालाजी सेवा संस्थान, अजमेर' के तत्वावधान मे 12वें विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर मे 201 यूनिट रक्त संग्रह हुआ : हर साल की भाति इस वर्ष भी बालाजी सेवा संस्थान,नयाघर गुलाबबाड़ी,अजमेर के तत्वावधान मे 12वां विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन माता सावित्रीबाई फूले की 190वीं जयंती के अवसर पर किया जायेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भामाशाह श्री त्रिलोक चन्द इंदौरा जी ने की। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन की शुरुआत नयाघर, गुलाबबाड़ी मे सुबह 10.00 बजे से 4.00 बजे तक किया। कार्यक्रम मे रक्तदान सहयोग करने के लिए जवाहर लाल नेहरु अस्पताल की टीम व विध्यापती बल्ड कैम्प,पुष्कर रोड की टीम के कर्मचारियों का सहयोग रहा। कोरोना महामारी के चलते हुये अस्पतालों मे रक्त की कमी हो गयी थी उसी समस्या को दुर करने का प्रयास मात्र हैं। सारा कार्यक्रम प्रशासनिक गाईड लाईन के नियमानुसार किया गया।जिसमें नो मास्क -नी एन्टी,सेनिटाइजर का प्रयोग, दो गज की दुरी बनाये रखी। कार्यक्रम मे इसके अलावा ब्लड शुगर, बल्डग्रुप, बल्डप्रेशर, हिमोग्लोबिन की प्रख्यात डाक्टरों की निगरानी मे किया गया। सभी बल्ड देने वाले को भोजन करवाया, प्रमाण-पत्र व मोमेंटो दे कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा फूले व माता सावित्रीबाई फूले के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलित कर की गई। अतिथियों मे महेश चौहान,शारदा मालाकार,प्रदीप कच्छवा,धर्मेंद्र

टांक, जितेन्द्र मारोठिया,हेमराज सिसोदिया, माकन लाल मारोठिया, हेमेन्द्र सिसोदिया,सतीश सैनी, सुन्दर लाल टांक,रवि कच्छावा, लक्ष्य सैनी,जय टांक,गौरव तुनवाल उपस्थित थे। सबसे पहले रक्तदान करने मे संस्थान के अविनाश सैनी ने शुरुआत कर युवाओं का उत्साह बढाया। महिलाओं मे शीतल सौलंकी, रूचि सौलंकी प्रमुख थे। समाजसेवी गोपीकिशन जादम द्वारा बनाई स्वदेशी तुलसीरस द्वारा बनायी आँखों की ड्राप जो आँखों से चश्मा उतर दे, सभी को निशुल्क वितरित की गई और उसकी उपयोगिता बताई। बालाजी सेवा संस्थान के अध्यक्ष गणेश टांक, राहुल दग्दी, मोहित सोलकी, तेजपाल टांक, नीरज भाटी, मोहित टांक, दिनेश चौहान, रूपचन्द आदि उपस्थित थे।

हर बर्ष की भांति 03 जनवरी 2021 रविवार को गुलाबाडी स्थित राधा-रानी गार्डन मे मां सावित्रीबाई फूले की 190 वीं जयंती हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाई गयी। कार्यक्रम दोपहर 1: 00 बजे से प्रारंभ हुआ। जिसमैं अतिथियों द्वारा माता सावित्रीबाई फूले व महात्मा ज्योतिबा फूले के चित्र पर माल्यार्पण व दीप-प्रज्वलन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती संगीता चन्द्र प्रकाश सैनी एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती आभा विकास इंदौरा थी। विशिष्ट अतिथि मे श्रीमती हेमा गहलोत, श्री मति मधु सैनी, श्रीमती प्रतिभा गहलोत, श्रीमती दीपिका चौहान, श्रीमती मंजू चौधरी, श्रीमती योगेश्वरी जी गढ़वाल, श्रीमती बिना टाक रहेंगी। संस्थान की महिला सदस्यों द्वारा अतिथियों का माला,शाल ओढ़ा कर स्वागत सम्मान किया । फिर संस्थान की महिला विंग द्वारा कोरोना महामारी से लडने के लिए प्रार्थना इतनी शक्ति हमे दे ना दाता.....मन का विश्वास कम हो ना.....हम चले नेक रस्ते... ।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषता रही अजमेर माली समाज बंधु जिन्होंने वैश्विक महामारी कोरोना मे निरन्तर निस्वार्थ सेवाऐ देने वाले का कोरोना योद्वाओं के रूप मे सम्मान समारोह किया जिसमें जवाहरलाल नेहरु अस्पताल के भवजीत सैनी मेल नर्स व जनाना अस्पताल के डाक्टर व नर्स व कर्मचारी प्रमुख थे। इसके अलावा लॉक डाऊन मे जरूरतमंद, गरीबों को भोजन के पैकेट व राशन साम्रगी की सेवाएं दी। जिसमें नेमीचंद बबेरवाल, प्रदीप कच्छावा, चन्द्र शेखर मोर्या, सतीश सैनी, हेमराज, नरेन्द्र तुनवाल, गोपाल चौहान,सुन्दर लाल टांक, मोहित तुनवाल,ईश्वर टांक व अन्य को माला व शाल ओढा कर सम्मानित किया। नेमीचंद बबेरवाल ने एक जरूरतमंद व गरीब महिला को आजिविका चलाने के लिए सिलाई मशीन भेंट की। इस प्रकार कुल समाज के 51 कोरोना वारिर्यस का सम्मान किया।

इस बार आनलाईन प्रतियोगिता मे विभिन्न प्रतियोगिता में समाज के युवावर्ग की बालिकाओं ने उत्साह दिखाया। आनलाईन प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले प्रथम व दितीय रहने वाली प्रतिभाओं का सम्मान समारोह किया। जिसमें एकल गायन मे प्रथम पिर्की गहलोत, द्वितीय संतोष गहलोत रही। मेहंदी मे प्रथम लता सैनी, दितीय बंशिका टांक, रंगौली मे प्रथम सुनीता अजमेरा, दितीय काम्या सांखला, ग्रुप डांस मे प्रथम दिशा भाटी व निकिता भाटी, द्वितीय ज्योति पंवार, सपना पंवार, निबंध मे नेहा अलुदिया, द्वितीय चितरांशी को पुरस्कार दिये गये। आनलाईन प्रतियोगिता मे भाग लेने वाली सभी बालिकाओं व महिलाओ का सम्मान किया व पुरस्कार दिये। इस तरह कार्यक्रम मे कुल 151 समाज की विभूतियों का सम्मान किया। समाजसेवी गोपी किशन जादम ने हमेशा की तरह आगन्तुकों को गेट पर ही काढ़ा पिलाया। कोरोना की नई बिमारी स्टैन से स्वास्थ्य रहने की कामना की। इसके साथ ही समाज की महिला शिक्षिकाओ का सम्मान कि जिसमें शारदा मालाकार को बुके, शॉल व प्रमाणपत्र दे कर महिला शिक्षिका दिवसष्के रुप मे भी बनाया। संस्थान की महिला कार्यकारिणी का सम्मान समारोह भी किया गया। काफी संख्या मे समाजबंधु परिवार सहित पधारे तथा प्रशासनिक गाईड लाईन का जरूर ध्यान रखते हुये माता सावित्रीबाई फूले जंयती को सादगीपूर्ण मनायेंगे। कार्यक्रम मे प्रशासनिक गाईडलाईन के नियमों का ध्यान रखा गया। कार्यक्रम मे अध्यक्ष शारदा मालाकार, राधा चौहान, पूनम तंवर, सुलोचना कच्छावा, माया चौहान, कविता दग्दी, संतोष मौर्य,सुषमा चौहान, विमला भाटी, मकराना से गीता सौलंकी, त्रिलोक चन्द्र इंदौरा, जयदेव साखला, अजय तुनवाल, घनश्याम बनिष्ठीयां, हेमेन्द्र सिगोदिया, भाग चन्द्र सांखला, किशोर भाटी, पुष्कर से ताराचंद गहलोत, इत्यादि उपस्थित थे। सभी समाज बंधुओं ने फूले दम्पति को भारत रत्न दिलाने की भारत सरकार से पुरजोर तरीकें से मांग की।

पुष्कर। महिला सशक्तिकरण की प्रणेता माता सावित्रीबाई फूले की 190 वी जयंती पर मालियान नवयुवक मंडल पुष्कर द्वारा स्थानीय माली मंदिर में रक्तदान शिविर तथा वरिष्ठजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में माता सावित्रीबाई फूले जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए । नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सूरजमल दग्दी ने बताया कि सुमन ब्लड बैंक जयपुर के सहयोग से आयोजित स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर में मालियान नवयुवक मंडल के कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न युवाओं ने 51 यूनिट रक्तदान किया तत्पश्चात वरिष्ठ जन सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें मालियान नवयुवक मंडल समिति के पूर्व पदाधिकारियों सहित गणमान्य समाज बंधुओं का माला, शॉल व प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मालियान नवयुवक मंडल द्वारा राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाँसेली एक कंप्यूटर भेट किया गया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय सैनी सेवा सदन के अध्यक्ष ओंकार राम कच्छावा, उपाध्यक्ष बाबूलाल दगदी, ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताराचंद गहलोत, युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष अजय सैनी , प्रदेश माली महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र टाक, मगनीराम अजमेरा, रूपचंद मारोठिया,सत्यनारायण भाटी, राहुल उबाना, नंद किशोर कुँवाल, टीकम चौहान, बंटी गहलोत, संजय दग्दी, सुखदेव मारोठिया, आशीष तंवर, पवन टांक, हेमंत गहलोत, रोहित टाक, मोहित टाक, मनोज, राधेश्याम इंदौरा, धीरज पंवार, अमित दगदी, जीतमल भाटी, खेमचंद उबाणा सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे।

झुंझनूं। रक्तदान शिविर में उमड़ा युवाओं का हुजूम : युवा प्रकाश क्लब, प्रकाश नगर,कालेरी ढाणी तथा श्रीमती प्रीतिदेवी मेमोरियल सोसायटी आदर्शनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में 190 युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। श्रीमती प्रीतिदेवी मेमोरियल सोसायटी आदर्शनगर के प्रधान संपादक महेन्द्र शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर का उद्घाटन पूर्व उप जिलाप्रमुख बनवारी लाल सैनी, दादूद्वारा के महामंडलेश्वर अर्जुनदास महाराज, झुंझनूं अस्पताल के अधीक्षक डॉ कमलचन्द सैनी,पंचायत समिति सदस्य दिनेश कायस्थपुरा, कांग्रेस के जिला प्रवक्ता मुरारी सैनी, डीएफओ राजेन्द्र सिंह हुड्डा, एनएनआई के प्रदेश महासचिव अशोक सैनी, सरपंच प्रत्याशी रहे महेन्द्र सिंह सैनी,बुडाना,कृष्णा बागडी,सोसायटी के सचिव भंवरलाल राजोरिया,क्लब संरक्षक बजरंग लाल सैनी के आतिथ्य में हुआ। अतिथियों ने

कहा कि रक्तदान शिविर के माध्यम से जरूरत मंद लोगो तथा बीमार लोगों की मदद हो रही है। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फूले जयन्ती सप्ताह के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों में रक्तदान पुनित कार्य है। सावित्री बाई फूले ने जीवन पर्यन्त शिक्षा,चिकित्सा तथा भारतीय दलित,शोषित समाज के उत्थान के लिए कार्य किए। बाबा प्रकाशपुरी व बाबा गणेशपुरी आश्रम में आयोजित रक्तदान शिविर में प्रो हितेश सैनी, बाबूलाल कटारिया, महीपाल सैनी, नरेश सैनी बगड़, रामावतार सैनी, जयप्रकाश सैनी, विजेश कुमार, उमेश, कुलदीप बागडी, धर्मचन्द सैनी, श्रीभगवान, मोहनलाल, हरफूल सैनी, सुशील सैनी, राकेश कटारिया, योगेश कायस्थपुरा, अरविंद सैनी, जयप्रकाश कटारिया, अंकुर शास्त्री ने अतिथियों का स्वागत किया। रक्तदान संग्रहण में एस एम एस अस्पताल, जयपुर की ट्रोमा यूनिट टीम तथा मेट्रो ब्लड बैंक झुंझनूं की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

रक्तदान शिविर में 'बीआरएस' एकेडमी, बगड़, महात्मा फूले सेवा संस्थान 'युवा विकास संगठन, कायस्थपुरा, 'हाई-टेक कम्प्यूटर सेंटर', बगड़, गौरव शिक्षक संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष राजपाल फोगाट'एकीकृत शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मनजीत चौधरी, भाजपा नेता कुलदीप सिंह शेखावत, सीएम हाऊस के कार्मिक सुखदेव सैनी, दीपक सैनी, राधेश्याम सैनी,डॉ रमाकान्त शर्मा, ओमप्रकाश सैनी कायस्थपुरा, रोहिताश्व सैनी आदर्शनगर, मुकेश सैनी,बगड़, अमित सैनी कायस्थपुरा,जयसिंह सैनी आदर्शनगर,शिवराम सैनी कायस्थपुरा विशेष योगदान रहा। शिविर में वरिष्ठ अध्यापिका अनिता सैनी, प्रियंका सैनी ने भी रक्तदान किया। शिविर में वेदप्रकाश सैनी ने 33 वीं बार, सोसायटी संस्थापक प्रो हितेश सैनी ने 30 वीं बार,कुलदीप बागडी ने 18 वीं बार, दिनेश इन्दोरिया ने 21 वीं बार, दिनेश कायस्थपुरा ने 17 वीं बार रक्तदान किया। सोसायटी संस्थापक प्रो हितेश सैनी ने सभी का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया। अन्त में श्रीमती प्रीतिदेवी मेमोरियल सोसायटी आदर्शनगर के संस्थापक प्रो हितेश सैनी, प्रधान संरक्षक महेन्द्र शास्त्री, युवा प्रकाश क्लब के संरक्षक बजरंगलाल सैनी, सचिव श्री भंवरलाल राजोरिया, भाजपा नेता बाबूलाल कटारिया, सरपंच प्रत्याशी रहे रामावतार सैनी ने संयुक्त रूप से समस्त रक्तदाताओ तथा रक्तदान शिविर में सहयोग करने वाले समस्त युवाओं का आभार और धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इसी तरह सामाजिक कार्यक्रमों में संगठित होकर कार्य करने की आशा व्यक्त की। विशेष रूप से जयपुर से बाइक पर सवार होकर आए प्रियवर श्री सुभाष जी सैनी,बागौली ने रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। समस्त रक्तदाताओ को प्रशस्ति पत्र तथा माल्यार्पण कर सम्माननीय उपस्थित महानुभावों द्वारा सम्मान किया गया।

दौसा। बगीची वाले बालाजी सिकंदरा में भागीरथ फूले सेना सेवा समिति, दौसा के तत्वावधान में माता सावित्री बाई फूले जयन्ती धूमधाम से आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत कुन्डेरा डूंगर के सरपंच जियालाल सैनी थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र प्रसाद सैनी ने की । विशिष्ट अतिथि सिकन्दरा ग्राम पंचायत के सरपंच रामोतार सैनी व एडवोकेट रमेश सैनी (निदेशक अपेक्स महाविद्यालय) थे। संस्था की ओर से मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि ओर अध्यक्ष महोदय का भी सम्मान किया गया। इसी दौरान सैनी समाज के नवचयनित व्याख्याताओं का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। संरक्षक केदार प्रसाद सैनी ने बताया कि समिति का विस्तार कर संगठन के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र और शपथ पत्र के साथ कार्य करने की जिम्मेदारी भी दी गई । सचिव हरिमोहन सैनी ने माता सावित्री बाई फूले की जीवनी और समाजहित में किये गए कार्यों के बारे में प्रकाश डाला। संस्था के जिला प्रवक्ता कवि कृष्ण कुमार सैनी ने समाज को एक सूत्र में बांधते हुए माता सावित्री बाई फूले ओर महात्मा ज्योतिबा फूले जी पर कविता सुनाई। साथ ही कई संदेशप्रद कविताओं से समाज को जागृत करने का प्रयास किया। संस्था के कानूनी सलाहकार रमेश चंद सैनी ने सभी पदाधिकारियों को साथ मिलकर कार्य करने के लिए कहा तथा अपनी ओर से सभी पदाधिकारियों ओर नवचयनित व्याख्याताओं को स्मृति चिह्न भेंट किये।

जिलाध्यक्ष हरकेश सैनी ने समाज सेवा के लिए सभी को तत्पर रहने का संदेश दिया। संस्थापक जयराम सैनी और वरिष्ठ सलाहकार गोपाल सैनी द्धक्रांतिकारी चट्टानत्र ने समिति के कार्यों एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। संस्था प्रभारी जैयन कुमार सैनी ने गरीब परिवारों के लिए चलाये जा रहे मिशनों के बारे समाज को बताया और सभी से यथासंभव सहयोग की अपील भी की। कोषाध्यक्ष रामजीलाल सैनी ने पिछले 1 वर्ष का हिसाब प्रस्तुत किया। इस दौरान समिति अध्यक्ष हरकेश सैनी, सचिव हरिमोहन सैनी, मंत्री महेश सैनी, संरक्षक केदार प्रसाद सैनी, मुख्य सलाहकार प्रेमचंद सैनी, वरिष्ठ सलाहकार गोपाल सैनी उर्फ क्रांतिकारी चट्टान, संस्थापक जयराम सैनी, कोषाध्यक्ष रामजीलाल सैनी, सिंबू दयाल सैनी, सक्रिया सदस्य सुरेश सैनी, पवन सैनी, ललित सैनी, अशोक सैनी, ओमप्रकाश सैनी, राजेश सैनी एलआईसी, जितेन्द्र सैनी, कमलेश सैनी अध्यापक, रमेशचंद सैनी, पूरणमल सैनी उपसरपंच अनन्तवाड़ा, मानपुर , सोहन लाल सैनी, राजेंद्र प्रसाद सैनी भांडारेज, जयराम सैनी राणापाड़ा, राकेश सैनी, मुकेश सैनी मानपुर आदि लोग उपस्थित रहे। मंत्री महेश सैनी व सलाहकार प्रेम सैनी ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन कवि कृष्ण कुमार सैनी ने किया।

उत्तर प्रदेश, शाहजहांपुर की साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था 'प्रेरणा परिवार' के द्वारा 3 जनवरी को सिंगार रस पर आधारित दोहा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय ऑनलाइन श्रृंगार रस पर आधारित दोहा प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल द्वारा इनकी प्रस्तुति को श्रेष्ठ दोहे के रूप में चयन किया। संस्था के द्वारा कवि कृष्ण कुमार सैनी के श्रेष्ठ श्रृंगार साहित्य लेखन पर रसराज सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान ऑनलाइन प्रेरणा परिवार के अध्यक्ष संदीप गुप्ता, संस्थापक अध्यक्ष अनुपम मिश्र तेजस्वी, संरक्षक श्री अरुण कुमार सक्सेना एवं कार्यक्रम संयोजक विजय तन्हा के द्वारा प्रदान किया गया। स्थानीय वरिष्ठ साहित्यकार बाबूलाल बोहरा ने बताया कि कवि कृष्ण कुमार सैनी को पूर्व में भी अनेकों साहित्यिक और सामाजिक क्षेत्र में सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। सैनी बाल्यकाल से ही सामाजिक और साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेते रहे हैं। आज राष्ट्रीय स्तर पर कवि कृष्ण कुमार सैनी ने साहित्य के क्षेत्र में खूब नाम कमाया है। सैनी ने सम्मान मिलने पर संस्था का आभार प्रकट किया।

देश भर में सावित्री बाई फूले जयंती पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां

किडनी पीड़ित युवा की मदद के लिए रेलवे माली कर्मचारी संघ आया आगे

जोधपुर। बिदियाद, परवतसर जिला नागौर निवासी युवक चिंदू सैनी 18 वर्ष की दोनों किडनियां खराब हो गई। चिंदू की परिवारिक आय इतनी नहीं थी किडनी ट्रांसप्लांट करवा सकें। किडनी ट्रांसप्लांट का खर्चा लाखों में था इसलिए आर्थिक सहयोग अभियान चलाया गया। आर्थिक सहयोग मुहिम में जोधपुर रेलवे माली कर्मचारी संघ ने सामूहिक आर्थिक सहयोग अभियान दिनांक 19 दिसम्बर से 05 जनवरी तक चलाया गया। जिसमें सामूहिक सहयोग से ₹68 हजार तथा प्रत्यक्ष सहायता के माध्यम से 10,701/- का सहयोग दिया गया।

संघ के सदस्य जितेन्द्र टाक ने बताया कि श्री रमेश जी भाटी मेल गार्ड के द्वारा चिंदू सैनी के बारे संघ को अवगत करवाया तथा आर्थिक सहयोग के लिए अपील की। जिस पर 121 रेलवे माली कर्मचारियों ने अपने श्रद्धा सामर्थ्य के अनुसार सहयोग कर कुल 78,700/- की सहायता की। टाक ने बताया कि राशि एकत्रित हो जाने के पश्च्यात संघ के शिष्ट मण्डल द्वारा 10 जनवरी रविवार को बिदियाद स्थित चिंदू सैनी के भाई इंद्रा कुमार को उसके घर जाकर सहयोग राशि भेंट की।

शिष्टमंडल में रमेश जी भाटी मेल गार्ड के नेतृत्व में मुख्य लोको निरीक्षक पुनाराम जी गेहलोत, युवा सहायक लोको पायलट महिपाल भाटी तथा सहयोग राशि संग्रहण कर्ता स्वयं जितेन्द्र टाक सहित समाज के व्यवसायी संतोष सांखला और मेड़ता रोड़ माली समाज के सक्रिय समाजसेवी मांगीलाल सांखला शामिल थे। जितेन्द्र टाक ने बताया कि जोधपुर रेलवे माली कर्मचारी संघ समाज सेवा के लिए सदैव आगे रहता है। समाज उत्थान के मुद्दों पर संभव सार्थक सहयोग करता रहेगा। संघ ने अब तक जरूरतमंद समाजबंधुओं के लिए अलग अलग 6 मिशन चला कर सहयोग किया। जो आगे भी जारी रहेगा।

किसान की बेटी मनीषा को संगीत से मिली नई पहचान सोशल मिडीया पर 1 लाख फोलोवर्स

दांतारामगढ़। खेत खलिहान में गानों का रियाज करने वाली किसा की बेटी मनीषा सैनी को बचपन से गाने का शौक था। अब यह शौक संगीत में शेखावटी का नाम रोशन करने के लिए राजस्थानी एलबमों में मनीषा अपनी शानदार आवाज के साथ गानें रिकार्डिंग कर रही है एवं बहुत से एलबमों में पहले भी गानें गा चुकी है। एक सफल गायक कलाकार बनने के लिए मनीषा निरंतर प्रयास कर रही है। मनीषा खेतीबाड़ी का काम करे वाले गुहाला निवासी बलदेव सैनी की बेटी है। मनीषा के पिता भी अपनी बेटी को संगीत में बहुत सपोर्ट करते है। गीत संगीत की कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर चुकी है मनीषा।

कल्याण राजकीय कन्या महाविद्यालय सीकर से एमए की शिक्षा प्राप्त करने के साथ ही मनीषा ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से इंडियन क्लासिक म्यूजिक में भी संगीत में एमए किया है। विशारद की डिग्री हासिल कर अब संगीत में ही निपुण की पढ़ाई कर रही है। जी म्यूजिक कंपनी के लिए भी मनीषा गाना गा चुकी है। यहीं नहीं मनीषा सैनी का स्वयं का यू-ट्यूब चैनल भी है एवं सोशल मीडिया के फेसबुक पर एक लाख फेन फोलोविंग व इंस्टाग्राम पर 35 हजार फोलोवर्स है। इन दिनों मनीषा राजस्थानी गानों की रिकार्डिंग कर रही है। मनीषा ने बताया कि आगे भी संगीत में अपना कैरियर बना अपनी विश्व स्तर पर पहचान बनानें का उनका टारगेट है।

हमें समाज की होनहार बेटी पर गर्व है जो ग्रामिण परिवेश में खेतीबाड़ी के साथ अपने अथक प्रयासों से संगीत में नित्त नई सफलता प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित कर रही हैं।

10वीं थाई मुक्केबाजी में शुभम सैनी ने जीता रजत पदक

फर्रूखनगर। दिल्ली के नजफगढ़ स्थित सामुदायिक केन्द्र में 15 जनवरी से आयोजित दो दिवसीय 10 थाई मुक्केबाजी प्रतियोगिता में समाज के युवा शुभम सैनी ने सिल्वर पदक जीत कर समाज का नाम रोशन किया। पदक विजेता शुभम सैनी का फर्रूखनगर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इसके पूर्व भी शुभम सैनी युशु हरियाणा स्टेट में भी पूर्व में कई पदक जीत चुके है। कोच कुलदीप कटारिया ने बताया कि प्रतियोगिता में 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शुभम सैनी ने अपने बेहतरीन खेल का प्रर्दशन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। इस मौके पर बिग बी फिटनेस जिम के संचालक प्रवीण बागड़ी, विशाल मधु दुग्गल, सोमवीर सिंह, तरूण शर्मा आदि मौजूद थे। हम शुभम को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

युवा आशीष सैनी पर फिलीपींस में बनेगी डॉक्यूमेंट्री

जींद। जिले के कर्मगढ़ गांव निवासी आशीष सैनी द्वारा किए गए सामाजिक कार्यक्रमों से प्रेरित होकर फिलीपींस देश की एक संस्था ने ऑनलाईन डॉक्यूमेंट्री बनानें की जानकारी आशीष सैनी को दी। इसके अलावा आशीष सैनी का नाम फिलीपींस देश की प्रसिद्ध मैगजीन में छापा जाएगा। आशीष सैनी ने बताया कि उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से विदेश तक पहुंची। इनके कार्यों को देखते हुए उनका साक्षात्कार ई-मेल के माध्यम से मांगकर मैगजीन में प्रकाशित करने की बात कही है। अब उनको लीड फिलीपींस के चेयरमैन माईक्रो लुकर्रो ने पत्र जारी कर यह जानकारी दी है कि भारत से आशीष सैनी पर ऑनलाइन डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई जाएगी। उनके ग्रामिण क्षेत्र के अंतर्गत रहन सहन व उनके जीवन पर ही डाक्यूमेंट्री आधारित होगी। आशीष सैनी का नाम ओएमजी रिकॉर्ड ऑफ बुक में भी दर्ज है। युवा आशीष द्वारा सामाजिक सेवा में किए जा रहे कार्यों से आज की पीढ़ी को सीख लेनी चाहिए।

90 वर्ष से अधिक समाज बंधुओं का प्रतीक चिन्ह देकर अतिथियों द्वारा सम्मान

फूल माली समाज परिवार परिचय निर्देशिका का विमोचन कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में बालिका दिवस पर समाज की 5 बालिकाओं का ऊपरणा पहना कर स्वागत किया गया

उदयपुर 24 जनवरी 2021। फूल माली समाज, उदयपुर के तत्वाधान में परिवार परिचय निर्देशिका तृतीय संस्मरण (डायरेक्टरी) वर्ष 2020 का विमोचन आज रविवार को दोपहर 1.00 बजे किया गया।

समाज मीडिया प्रवक्ता महेश चंद्र गढ़वाल ने बताया कि निर्देशिका का विमोचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा, विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त आई.पी.एस सत्यप्रकाश खडगावत, सेवानिवृत्त आर.ए.एस.दयानंद सैनी, फूले राष्ट्रीय जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल सांखला, उदयपुर नगर निगम महापौर गोविंद सिंह टांक एवं उपमहापौर पारस सिंघवी, फूल माली समाज हाथीपोल संस्थान के अध्यक्ष टेकचंद दगदी, दूधपुरा फूल माली समाज के अध्यक्ष गणेशलाल वातरिया के कर कमलों से किया गया।

श्रीमान कलेक्टर महोदय ने परिवार परिचय निर्देशिका में समाहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों को काफी प्रोत्साहित किया । जिला कलेक्टर महोदय ने फूल माली समाज को आश्वस्त किया कि प्रशासन जहां तक संभव हो सके फूल माली समाज को उदयपुर शहर के आसपास अगर कुछ जमीन आवंटित कर सके तो नियमानुसार जरूर करेंगे जिससे समाज वहां पर भावी योजनाओं के अनुसार प्लानिंग कर सके । इसके लिये प्रशासन किसी भी प्रकार की सहायता जरुर करेगा।

इस अवसर पर डा.किशन माली ने माली सैनी संदेश पत्रिका तथा प्रिविलेज कार्ड के बारें में जानकारी उपस्थित माली समाज बंधुओं को शेयर की तथा इसके लाभों से समाज को अवगत कराया। इस अवसर पर बालिका दिवस होने से 5 बालिकाओं का ऊपरणा पहना कर स्वागत किया गया ।

निर्देशिका के संपादक मूलचंद चांगवाल ने बताया कि विमोचन कार्यक्रम में बालिका दिवस पर समाज की 5 बालिकाओं का ऊपरणा पहना कर स्वागत किया गया एवं 90 वर्ष से अधिक समाज बंधुओं का प्रतीक चिन्ह देकर अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन दिनेश माली द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में हरकलाल माली, लोकेंद्र चावड़ा, डा. किशन दगदी, रेवा शंकर माली, गोपाल गढ़वाल, रमेश चांगवाल, रमेश सिसोदिया, लक्ष्मी लाल महावर आदि समाज बंधुओं ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम कोविड-19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए किया गया। कार्यक्रम नंद भवन, यूनिवर्सिटी, शोभागपुरा 100 फिट रोड पर आयोजित किया गया। धन्यवाद की रस्म हाथीपोल संस्थान अध्यक्ष टेकचंदजी द्वारा दिया गया

श्री नारायण सेवा समिति मण्डोर जोधपुर के तत्वाधान में कोरोना काल में पहला सामूहिक विवाह

छठवें सामूहिक विवाह समारोह में 8 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का साथ

सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे इसलिए 8 जोड़ों के लिए 4 मैरिज गार्डन बुक, मेहमानों के भोजन के लिए भी अलग से व्यवस्था

जोधपुर। श्री नारायण सेवा समिति मण्डोर जोधपुर के तत्वाधान में छठा सामूहिक विवाह समारोह 2021 का आयोजन दिनांक 16.01.2021, शनिवार को मण्डोर अंचल में किया गया। कार्यक्रम के मिडिया प्रभारी जगदीश देवड़ा व राकेश सांखला ने बताया कि श्री नारायण सेवा समिति मण्डोर जोधपुर द्वारा समिति द्वारा दिनांक 16.01.2021, शनिवार विक्रम संवत् 2077 माघ वदी षष्ठी को संत श्री रामप्रसाद जी महाराज, बड़ा रामद्वारा, सूरसागर व संत श्री हरिराम जी शास्त्री, बड़ा रामद्वारा, चांदपोल के आशीर्वाद में मुख्य आतिथ्य श्रीमान् राजेन्द्र जी गहलोत, राज्यसभा सांसद, श्रीमती कुन्ती देवड़ा-परिहार, महापौर, जोधपुर नगर निगम उत्तर जोन के साथ श्री नरेन्द्रसिंह कच्छवाह, समाजसेवी व विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्रीमती श्यामादेवी गहलोत-पार्षद 79, मयंक देवडा-पार्षद 78, मुकेश गहलोत-पार्षद वार्ड 77, श्रीमती मधु टाक-पार्षद 76, श्रीमती शोभा देवड़ा-पार्षद 75, दीपसिंह-पार्षद वार्ड 74, ओ.पी.भाटी-पार्षद वार्ड-73, श्रीमती ममता सांखला-पार्षद 72, भैरूसिंह परिहार-पार्षद वार्ड 71, श्रीमती सुमन-पार्षद 80 की उपस्थिति में प्रात: 9.30 बजे पेसिफिक गार्डन में गणेश पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की और बन्दोली निर्धारित व्यवस्था अनुसार अलग-अलग गार्डन में निकाली गई। तत्पश्चात् श्री अमृतलाल स्टेडियम से सामूहिक बाराते निकासी करेगी, जिनका स्वागत समिति के सदस्यों द्वारा पेसिफिक, शंकर गार्डन, सूरजगढ़ और हरिओम गार्डन में किया जायेगा।

छठे सामूहिक विवाह कार्यक्रम मे 8 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार किया गया। कोरोना प्रोटोकाल के तहत सभी गार्डनों में स्वागत, तोरणा, कोविड-बैनर, सैनेटाईजर स्प्रे, वरमाला, मास्क आदि अन्य सभी व्यवस्थाएं की गई। इन सभी 8 जोड़ों का विवाह 4 मैरिज गार्डन 1. पैसेपिक गार्डन 2. सूरज गार्डन 3. हरिओम गार्डन 4. शंकर गार्डन में 2 : 2 के अनुपात में सम्पन्न किया, जिसके अन्तर्गत मेहमानों की संख्या 100 के भीतर रखी जायेगी। सभी मैरेज पैलेस मण्डोर क्षेत्र में ही है।

स्वागत समिति के सदस्य ठे.नरपतसिंह सांखला, ताराचंद सांखला, कल्याणसिंह सांखला, चौधरी हरिसिह गहलोत, श्री अनिल कच्छवाह ॡमोटसात्रॡ, ठे.श्री संतोषसिंह चौहान, श्री रामेश्वर सांखला ॡबोसत्रॡ, ठे.ओमप्रकाश गहलोत, श्री महेश गहलोत, श्री सत्यनारायण टाक, डॉ. साँवरसिंह सांखला, श्री श्यामसिंह सांखला, श्री पृथ्वीसिंह गहलोत ने की। महिला मण्डल में श्रीमती कैलाश देवी सांखला, श्रीमती ओमादेवी देवड़ा, श्रीमती लीलावती भाटी, श्रीमती सीमा कच्छवाह, श्रीमती चन्द्रकला गहलोत, श्रीमती पपुदेवी गहलोत, श्रीमती ललिता देवी गहलोत, श्रीमती मनीषा सोलंकी, श्रीमती लक्ष्मीदेवी गहलोत, श्रीमती मधु सांखला, श्रीमती चंचल गहलोत, श्रीमती पुष्पादेवी सोलंकी, श्रीमती निर्मला कच्छवाह, श्रीमती सीमा सांखला, श्रीमती अरूणा सांखला, श्रीमती अनिता परिहार-पार्षद 80 द्वारा की गई।

समिति द्वारा सभी नव युगलों को तुलसी व रामायण प्रति भेंट की ताकि पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक भावना का विकास हो। साथ ही प्लास्टिक मुक्त भारत, नशा मुक्ति, स्वच्छ, की शपथ दिलाई गई। समिति द्वारा घरेलू आवश्यक सामान ॡगहन, कपड़े, फर्नीचर आदिॠ उपलब्ध करवाई गये। सभी वर-वधू परिवार द्वारा कोविड 19 की विशेष व्यवस्थाओं को ध्यान में रखकर उपरोक्त कार्यक्रम समिति के मार्गदर्शन में पालन करते हुए सम्पन्न किया। प्रसादी की व्यवस्था समिति द्वारा की गई। सभी द्वारा कार्य के मध्य समाज के गणमान्य व्यक्तियों, पत्रकारों, समाजसेवियों एवं अन्य विशेष व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

समिति अध्यक्ष मनोहर सिंह सांखला ने बताया कि समिति द्वारा पिछले कई वर्षो से सामाजिक सरोकार के कार्य किये जा रहे है। समिति अपने नर-सेवा, नारायण सेवा के लक्ष्य एवं सामाजिक दायित्वों के तहत प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह समारोह के अलावा विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं स्वास्थ्य सेवाओं के कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। प्रतिवर्ष रामनवमी पर विशाल शोभायात्रा, विजयदशमी पर रावण दहन महोत्सव, प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को भलाई री भीत के माध्यम से हजारों गरीब परिवारों को नि:शुल्क वस्त्र वितरण, समय-समय पर आयुर्वेद चिकित्सा मेला, रक्तदान शिविर, गऊ सेवा एवं मेला-उत्सवों में लंगर आदि की व्यवस्था करती है। कोरोना काल में भी समिति ने आपात सेवा शिविर स्थापित कर हजारों गरीब परिवारों को भोजन पैकेट, भोजन किट, मास्क एवं आयुर्वेदिक काढ़ा पाउच एवं जागरूकता पेंम्पलेट वितरित कर जन-जागृति फैलाई। सभी वर-वधू परिवार द्वारा कोविड 19 की विशेष व्यवस्थाओं को ध्यान में रखकर उपरोक्त कार्यक्रम समिति के मार्गदर्शन में सम्पन्न किये जायेगें।

नायगांव में मंत्री छगन भुजबल ने किया क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले को नमन

क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फूले का जन्मदिन महिला शिक्षा दिवस– भुजबल

नायगांव, नासिक। 3 जनवरी क्रांतिज्योति सावित्रीबाई के जन्मदिन को आज महिला शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फूले के जन्मदिन और महिला शिक्षा दिवस के अवसर पर आज नायगांव, तहसील खंडाला, जिला सतारा में सावित्रीबाई फूले के जन्मस्थान पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल द्वारा अभिवादन के बाद बोल रहे थे।

शिक्षा मंत्री प्रो. वर्षा गायकवाड़, सहकारिता विपणन और सतारा बालासाहेब पाटिल के अभिभावक मंत्री, गृह राज्य मंत्री शंभुराज देसाई, सांसद श्रीनिवास पाटिल, विधायक मकरंद पाटिल, पूर्व सांसद समीर भुजबल, जिला परिषद अध्यक्ष उदय कावुल, उपाध्यक्ष प्रदीप विधाते, पंचायत समिति के अध्यक्ष राजेंद्र तांबे, बापू भुजबल, शिवाजीराव नलवाडे, महिला प्रदेश अध्यक्ष मंजरी धडगे, डॉ शैफाली भुजबल, दिलीप खैरे, प्रिंतेश गवली, अधिवक्ता समता सैनिक, सुभाष राउत, सुधीर नेवसे, बालासाहेब कर्डक, रवींद्र पवार, दिवाकर गेम, कविता कर्डक सहित बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस अवसर पर छगन भुजबल ने कहा कि क्रांतिज्योती सावित्रीबाई का उत्सव आज कोरोना और चुनाव आचार संहिता के प्रभाव में मनाया जा रहा है। आज का दिन हमारे लिए निराशाजनक दिन रहा। क्योंकि केवल 15 दिन पहले, हमने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फूले के जन्मदिन को महिला शिक्षा दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव दिया था। इसके अनुसार, महात्मा जोतीराव फूले और सावित्रीबाई का काम राज्य की महाविकास राज्य सरकार द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि महात्मा जोतीराव फूले और क्रांतिज्योति सावित्रीबाई ने इस देश में जनता को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने शूद्रों को शिक्षा से वंचित करने पर उन्हें बिना किसी संकोच के शिक्षित कर महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने की पूरी कोशिश की। ब्रिटिश सरकार ने इस असाधारण काम के लिए उनके काम की प्रशंसा की है। उन्होंने पूछा कि हमें उनका सम्मान क्यों नहीं करना चाहिए और कहा कि उनका सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि सावित्रीबाई फूले द्वारा जिन महिलाओं को मुख्यधारा में लाया गया था, वे अब महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री के रूप में सफलतापूर्वक काम कर रही हैं और वे बहुत खुश हैं कि आज सावित्री उत्सव मनाया जा रहा है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि क्रांतिज्योति सावित्रीबाई ने कई कठिनाइयों के बावजूद महिलाओं को शिक्षित करने का काम किया। सावित्रीबाई फूले ने महिला शिक्षा की नींव रखी, इसलिए आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। प्रत्येक खंड के परिणामों के अनुसार, महिलाएं 12 वीं, 10 वीं या यहां तक कि प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे हैं। उनके काम के सम्मान में, महाराष्ट्र सरकार ने महिला शिक्षा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आज, हम महाराष्ट्र में सभी स्तरों पर महिला शिक्षा दिवसर मना रहे हैं।

लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें विद्यार्थी : डॉ. नेहा गहलोत

जालोर। शहर में माली समाज का पहली बार प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शहर के हैड पोस्ट ऑफिस रोड स्थित माली समाज के ज्योतिबा फूले शिक्षा जागृति मंच द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के प्रतिभावान विद्यार्थियों के साथ-साथ सरकारी भर्ती में चयनित समाज के लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र केशवाना की डॉ. नेहा गहलोत, राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सम्मान से सम्मानित गीता माली, पारसमल सांखला व जालोर नागरिक सहाकारी बैंक के अध्यक्ष नितिन सोलंकी के आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान माली समाज की करीब 70 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मोमेंटो, विद्यालय बैग, नोट बुक, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद : प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान कैलाश परिहार, जीवाराम, अशोक कुमार, इंजीनियर राजू, कांतिलाल, रघुवीर, शंकरलाल सोलंकी, राजकुमार, महेंद्र गहलोत, मूलाराम, भाग्यवंती, नरेन्द्र परमार, ललित कुमार, पुखराज माली व सुरेन्द्र परमार समेत बड़ी संख्या में माली समाज के लोग मौजूद रहे।

कवास आपदा के दौरान विद्यालय बह गया, गीता ने 3 बीघा जमीन भेंट की राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सम्मान से सम्मानित हो चुकी गीता माली ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन है। शिक्षा के द्वारा ही हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। अपने जीवन की घटना बताते हुए कहा कि मैं सामान्य परिवार में पल बढ़कर आज जिस स्तर पर हूं, उसमें आर्थिक, सामाजिक आदि अनेकों समस्याओं से संघर्ष करते हुए आज आपके सामने हूं। मेरा विद्यालय, वहां के बच्चे कवास आपदा के दौरान बह गए, तब मैं खुद बहुत रोई और अंत में मैंने अपनी तीन बीघा जमीन दे पुनरू विद्यालय को खड़ा किया।

प्रतिभाओं की काउंसलिंग भी की : कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभाओं की डॉ. नेहा गहलोत ने काउंसलिंग भी की। कई प्रतिभाओं को अपने लक्ष्य की तैयारी करने की बात कही। वहीं कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुई। जिसमें कई बालिकाओं ने शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में भामाशाहों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश गहलोत ने किया।

लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें विद्यार्थी : गहलोत

प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. नेहा गहलोत ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा की महत्ती आवश्यकता रहती है। समाज को बालिका शिक्षा में भी जोर देते हुए बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही गहलोत ने कहा कि हमेशा विद्यार्थियों को एक लक्ष्य निर्धारण करते हुए अध्ययन करना चाहिए, जिससे लक्ष्य को हासिल करने में आसानी हो। इस दौरान भंवरलाल व नितिन सोलंकी ने भी संबोधित किया।

महात्मा फूले शिक्षा समिति में झण्डा रोहण, समिति के माध्यम से 375 युवक युवतियों का सरकारी विभागों में हुआ चयन

नि:शुल्क क्लासेज के लिए समाज के दानदाताओं द्वारा सहयोग

जयपुर। 72वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2021 को प्रात:11.30 बजे महात्मा फूले शिक्षा समिति के संरक्षक श्रीकृष्ण सैनी पूर्व चेयरमैन विद्युत समिति ज.न.नि., बैंक व अन्य सेवाओं की प्रतियोगिता कक्षाओं के मानद संचालक रमेश सांखला मुख्य लेखाधिकारी पी डब्ल्यू डी, संस्था के महासचिव प्रकाश चन्द सैनी उपसचिव विधानसभा, संजय सैनी जिला अध्यक्ष सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था, एडवोकेट श्यारसीलाल सैनी वरिष्ठ समाज सेवी, सन्तोष कुमार सैनी Xen PWD, हरि शंकर भाटी वरिष्ठ समाज सेवी, शान्ति कुमार सैनी विधानसभा वाले, हेम राज सैनी माली लहर पाक्षिक अखबार के सम्पादक व मुद्रक सुभाष सैनी MNIT वाले, रामस्वरूप सैनी सिविल कॉन्ट्रेक्टर, सोनू महर्षि सहायक लोक अभियोजक , मनीष सैनी एवं श्रीगोपाल सैनी सहित अन्य अतिथियों व प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति में समारोह के मुख्य अतिथि बी एल सैनी प्रोपराइटर प्रेरणा बुक डिपो एवं प्रकाशक ने झण्डा रोहण किया, ततपश्चात मां सरस्वती जी व महात्मा ज्योतिबा फूले के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर उनके चित्रों पर माला अर्पण कर समारोह आरंभ हुआ । समारोह की अध्यक्षता श्रीकृष्ण सैनी ने व संचालन प्रकाश चन्द जी सैनी ने किया।

शिक्षा समिति के महासचिव प्रकाश चन्द सैनी ने बताया कि कोरोना काल से पहले मार्च 2020 तक महात्मा फूले शिक्षा समिति द्वारा बैंकिंग व अन्य सेवाओं की प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कक्षाएं मार्च 2020 तक गोपी पी. जी. टावर , कटेवा नगर गुजर की थड़ी, न्यू सांगानेर रोड , जयपुर पर किराये के भवन में संचालित की जाती थी, जिसमें प्रति वर्ष लगभग 250 से 275 छात्र-छात्राऐं प्रशिक्षण प्राप्त करते थे, प्रशिक्षणार्थियो के लिए मय इंटरनेट के कम्प्यूटर कक्ष, स्वच्छ पानी के लिए आरो सहित वाटर कूलर, पंखों व कूलरों की उत्तम व्यवस्था की हुई थी। उक्त कक्षासेज में वर्ष 2005 से 2020 तक पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं में से लगभग 375 प्रशिक्षणार्थी विभिन्न बैंकों, लेखा सेवाओं, रेलवे, पुलिस, हाईकोर्ट व अन्य सरकारी विभागों की सेवाओं (सर्विस) में विभिन्न पदों लग चुके हैं। शिक्षा समिति द्वारा वर्ष 2005 से सितंबर 2011 तक अल्प आय वर्ग के परिवार के बच्चों को छात्रवृत्ति के रूप में स्कूल फीस अथवा कालेज की फीस भी प्रदान की गई थी । उक्त समय के छात्रों में से भी लगभग 175 लाभार्थी विभिन्न राजकीय सेवाओं में सेवारत हैं। इस प्रकार शिक्षा समिति के माध्यम से 450 से भी अधिक छात्र-छात्राओं की नियुक्तियां हो चुकी हैं । यह सब व्यवस्था समाज सेवी भामाशाहों, दान दाताओं व सहयोगियों के माध्यम से नि:शुल्क संचालित हो रही है, जिस पर मार्च 2020 तक लगभग 50 लाख रुपये से अधिक राशि का व्यय हो चुका है । श्री हरि शंकर जी भाटी ने स्वयं 25000, 25000 का श्रीमती जी के नाम से पूर्व में शिक्षा समिति को सहयोग कर चुके हैं ।

वर्तमान में नवम्बर 2020 से बैंक सेवा व विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए मेट्रो रेल के पिलर संख्या 99 के सामने न्यू सांगानेर रोड जयपुर पर पुन: किराये के भवन में नि:शुल्क कक्षाओं के लिए व्यवस्था की गई हैं । उक्त भवन के तीसरे फ्लोर के किराये सहित लगभग 50 हजार रुपए मासिक खर्च होगा, तीसरे फ्लोर पर प्लाईवुड के पार्टिशन से 6 कक्ष तैयार कराये गये हैं, एक कक्ष पर 50 हजार रुपए खर्च होंगे जिनके लिए 6 भामाशाह/दानदाता यदि 50 हजार या अधिक राशि का सहयोग देंगे तो उनके नाम मय राशि के हर कक्ष के द्वार पर अंकित किये जायेंगे । प्रशिक्षण सेंटर के एक कक्ष के लिए समारोह के मुख्य अतिथि बी एल सैनी ने 51 हजार रुपए देने की सहर्ष घोषणा की शिक्षा समिति सदैव उनकी आभारी है। नि:शुल्क प्रशिक्षण सेंटर के संचालन के लिए 500, 1100 व 2100 रुपये मासिक राशि देने वाले सहयोगी सदस्य बनाने की योजना है ताकि उनके सहयोग से प्रति माह 50 हजार रुपये का योगदान प्राप्त होता रहे । आज के समारोह में उपस्थित रामस्वरूप सैनी ने स्वयं व श्रीमती की ओर से 2100, 2100 रुपये, बी एल सैनी ने भी 2100 रुपये , सोनू महर्षि ने 500 रुपये मासिक देने के लिए फार्म भर कर सहमति दी। समारोह में विभिन्न वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस की महत्वत्ता, संविधान में वर्णित अधिकार एवं कर्तव्यों , जीवन में शिक्षा के महत्व पर संक्षिप्त में विचार व्यक्त किए ।

अंत में बैंकिंग क्लासेज के मानद संचालक रमेश सांखला ने मीटिंग में आये हुए सभी अतिथियों सदस्यों को धन्यवाद दिया, ततपश्चात उपस्थित सभी को अल्पाहार व काँफी के लिए आमन्त्रित करते हुए समारोह का समापन किया गया ।

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारक

माता सावित्री बाई फूले

डॉ.सत्यनारायण सिंह
आई.ए.एस.(से.नि.)

सावित्री बाई फूले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका ही नहीं बल्कि एक अच्छी कविवित्री, अध्यापिका, समाजसेविका और पहली शिक्षाविद् भी थी। उन्हें महिलाओं की मुक्तिदाता भी कहा जाता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन महिलाओं को शिक्षित करने और उनका हक दिलाने में लगा दिया था। महिलाओं को शिक्षा दिलवाने के लिए उन्हें काफी संघर्षों का सामाना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और बिना धैर्य खोए पूरे आत्मविश्वास के साथ डटीं रहीं और सफलता हासिल की। उन्होंने 1848 में पुणे में देश मे पहले महिला स्कूल की स्थापना की। उन्हें अपने पति महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फूले के सहयोग से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

भारत की महान समाजसेवी और प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले का जन्म महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में 3 जनवरी 1831 को एक किसान परिवार में हुआ था। उस समय भारत में बाल विवाह की परम्परा थी, उनकी शादी साल 1840 में महज 9 साल की छोटी उम्र में 12 साल के ज्योतिराव फूले के साथ करवा दी गई। जब सावित्री बाई फूले की शादी हुई थी, उस समय तक वे पढ़ी-लिखी नहीं थी। शादी के बाद ज्योतिबा ने ही उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया। उन दिनों लड़कियों की दशा बेहद दयनीय थी, उन्हें शिक्षा ग्रहण करने की अनुमति नहीं थी।

सावित्रीबाई को शिक्षित करने के दौरान ज्योतिबा को काफी विरोध का सामना करना पड़ा, यहां तक की उन्हें पिता ने रूढ़िवादिता और समाज के डर से घर से बाहर निकाल दिया लेकिन फिर भी ज्योतिबा ने सावित्रीबाई को पढ़ाना नहीं छोड़ा और उनका एडमिशन एक प्रशिक्षण स्कूल में कराया। समाज की तरफ से इसका काफी विरोध होने के बाद भी सावित्रीबाई ने अपनी पढ़ाई पूरी की। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सावित्रीबाई ने प्राप्त शिक्षा का इस्तेमाल अन्य महिलाओं के शिक्षित करने के लिए किया। यह किसी चुनौती से कम नहीं था क्योंकि उस समय समाज में लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई करवाने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने तमाम संघर्ष किया और इस रीति को तोड़ने के लिए सावित्रीबाई ने अपने पति ज्योतिबा के साथ मिलकर साल 1848 में लड़कियों के लिए एक स्कूल की स्थापना भी की। यह भारत मे लड़कियों के लिए खुलने वाला पहला महिला विद्यालय था जिसमें प्रारम्भ में कुल नौ लड़कियों ने एडमिशन लिया। सावित्रीबाई फूले इस स्कूल की प्रिंसिपल बनी और इस तरह वे देश की पहली शिक्षिका बन गईं।

थोड़े दिनों के बाद ही उनके स्कूल में दबी-पिछड़ी जातियों के बच्चे, खासकर लड़कियों की संख्या बढ़ती गई। इस दौरान उन्हें काफी परेशानियों का सामान करना पड़ा। जब वो पढ़ाने जाती थी, तो उनका रोजाना घर से विद्यालय जाने तक का सफर बेहद कष्टदायक होता था। दरअसल जब वो घर से निकलती थी तो धर्म के कथित ठेकेदारों द्वारा उनके ऊपर सड़े टमाटर, अंडे, कचरा, गोबर और पत्थर तक फैकते थे यही नहीं उन्हें अभद्र गालियां देते थे यहां तक की उन्हें जान से मारने की धमकियां भी देते थे।

लेकिन सावित्रीबाई फूले यह सब चुपचाप सहती रहीं और महिलओं को शिक्षा दिलवानें और उनके हक दिलवाने के लिए पूरी हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ डटीं रही। काफी संघर्षों के बाद 1 जनवरी 1848 से लेकर 15 मार्च 1852 के बीच सावित्री बाई फूले ने ज्योतिबा फूले के साथ बिना किसी आर्थिक मदद ज्यादा से ज्यादा लड़कियो को शिक्षित करने के मकसद से, 18 स्कूल खोले। एक शिक्षा केन्द्र 1849 में पूना में उस्मान शेख के घर पर मुस्लिम स्त्रियों और बच्चों के लिए खोला। इस तरह वे लगातार महिलाओं को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए काम करती रहीं शिक्षा के क्षेत्र में सावित्रीबाई फूले और ज्योतिबा फूले के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए ब्रिटिश सरकार के शिक्षा विभाग ने उन्हें शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

सावित्री बाई फूले ने केवल महिला की शिक्षा पर ही ध्यान नहीं दिया बल्कि स्त्रियों की दशा सुधारने के लिए भी उन्होंने कई महत्वपूर्ण काम किए। उन्होंने 1852 में महिला मंडल का गठन किया और भारतीय महिला आंदोलन की वे पहली अगुआ भी बनीं। सावित्रीबाई ने विधवाओ की स्थिति को सुधारने, और बाल हत्या पर भी काम किया। उन्होंने इसके लिए विधवा पुनर्विवाह की भी शुरूआत की और 1854 में विधवाओं के लिए आश्रम भी बनवाया। उन्होंने नवजात शिशुओं का आश्रम खोला ताकि कन्या भ्रूण हत्या को रोका जा सके। वहीं आज जिस तरह कन्या भ्रूण के केस लगातार बढ़ रहें है और यह एक बडी समस्या के रूप में उभरकर सामने आ रही है। वहीं उस समय सावित्री बाई ने शिशु हत्या पर अपना ध्यान केन्द्रित कर उसे रोकने की कोशिश की थी। इस दौरान सावित्री बाई फूले ने अपने पति ज्योतिबा फूले के साथ मिलकर काशी बाई नामक एक गर्भवती विधवा महिला को आत्महत्या करने से रोका और उसे अपने घर पर रखकर उसकी अपने परिवार के सदस्य की तरह देखभाल की और समय पर उसकी डिलीवरी करवाई। फिर बाद में सावित्री बाई और ज्योतिबा फूले ने उसके पुत्र यशवंत को गोद लेकर खूब पढ़ाया और बडा होकर यशवंत एक मशहूर डॉक्टर बने। इसकी वजह से भी उन्हें काफी विरोध का सामना करना पड़ा लेकिन सावित्री बाई रूढ़िवादिता को तोड़ने और समाज के कल्याण एवं महिलाओं के उत्थान के काम में लगी रही।

महिलाओं के हित के बारे में सोचने वाली और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने वाली महान समाज सुधारिका सावित्री बाई ने दलित वर्ग के उत्थान के लिए भी कई महत्वपूर्ण काम किए। उन्होंने कई अभियान चलाए। उनके पति

ज्योतिबा ने 24 सितम्बर 1873 को अपने अनुयायियों के साथ सत्यशोधक समाज नामक एक संस्था का निर्माण किया। जिसके अध्यक्ष ज्योतिबा फूले खुद रहे जबकी इसकी महिला प्रमुख सावित्री बाई फूले को बनाया गया। इस संस्था की स्थापना करने का मुख्य उद्देश्य शूद्रों और अति शूद्रों को उच्च जातियों के शोषण और अत्याचारो से मुक्ति दिलाकर उनका विकास करना था ताकि वे अपनी सफल जिंदगी व्यतीत कर सकें। महिलाओं के लिए शिक्षा का द्वार खोलने वाली सावित्रीबाई ने पति ज्योतिबा के हर काम को कंधे मिलाकर किया।

भारत की पहली शिक्षिका और समाज सुधारिका के अलावा वे एक अच्छी कवियित्री भी थी जिन्होंने दो काव्य पुस्तके लिखी थी। 'काव्य फूले' एवं 'बावनकशी सवोधरलाकर'

बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने के लिए वे कहा करती थीं - **''सुनहरे दिन का उदय हुआ आओ प्यारे बच्चों आज, हर्ष उल्लास से तुम्हारा स्वागत करती हूं आज''।**

अपने पति की मीत के बाद भी उन्होने समाज की सेवा करना नहीं छोडा। इस दौरान साल 1897 में पुणे मे "प्लेग" जैसी जानलेवा बीमारी काफी खतरनाक तरीके से फैली, तो इस महान समाजसेवी ने इस बीमारी से पीड़ित लोगों की निच्छल तरीके से सेवा करनी शुरू कर दी, और रात-दिन वह मरीजो की सेवा में लगी रही। इसी दौरान वो खुद इस जानलेवा बीमारी की चपेट मे आ गई और 10 मार्च 1897 में उनकी मृत्यु हो गई।

तमाम तरह की परेशानियों, संघर्षों और समाज के प्रबल विरोध के बावजूद भी सावित्रीबाई ने महिलाओं को शिक्षा दिलवाने और उनकी स्थिति सुधारने में जिस तरह से एक लेखिका, क्रांतिकारी व सामाजिक कार्यकर्ता बनकर समाज के हित में काम किया वह सराहनीय है। महिला शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार से नवाजा गया। केन्द्र और महाराष्ट्र सरकार ने सावित्रीबाई फूले की स्मृति में कई पुरस्कारों की स्थापना की है और उनके सम्मान में एक टिकट भी जारी किया गया है।

महिला सरपंच प्रेमीदेवी माली ने अस्पताल के लिए दान की भूमि

फूलेरा। बदलते परिवेश में अधिकांश लोग बिना स्वार्थ के एक दूसरे की मदद नहीं करत। वहीं दूसरी ओर अब भी कई लोग हे जो परमार्थ के कार्यों में दिल खोल कर सहयोग करते है। ग्राम पंचायत साखून की सरपंच प्रेमदेवी पत्नी किशनलाल माली के द्वारा ग्राम के राजकीय अस्पताल भवन के जर्जर होने पर अस्पताल के नवीन निर्माण के लिए 4500 वर्ग गज भूमि का दान करके पुनीत कार्य किया है। सरपंच प्रेमदेवी माली ने दान की गई जमीन से संबधित सभी कागजात व सहमति पत्र विधायक बाबूलाल नागर को जयपुर स्थित निवास पर ग्रामिणों के साथ सुपुर्द किया। किसान परिवार से जुड़ी सरपंच प्रेमदेवी पति किशनलाल माली, पुत्र गणेश, राजकुमार, राकेश, मुकेश माली की ग्रामीणों ने इस पुनीत कार्य के लिए सराहना की है। युवा समाजसेवी राजकुमार माली ने बताया कि हमारा मकसद ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को बढ़ावा देने का है। सरपंच प्रेमदेवी ने बताया कि साखून पंचायत को आदर्श पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए जन समस्याओं का समाधान एवं विकास कार्य करवाने से आगे रहेंगे। ग्राम पंचायत में सरकारी अस्पताल की भव्य सुविधा होगी तो ग्रामीणों को चिकित्सा का समुचित लाभ मिलेगा। इस मौके पर उप सरपंच मोनिका, वार्ड पंच चित्रासिंह, हरीसिंह, युगल बिहारी सहित कई लोग मौजूद थे। फूलेरा श्रीअद्वैत वेदांत आश्रम के महंत सत्यनारायण, सैनी माली समाज के अध्यक्ष धर्मेन्द्र सैनी, महात्मा ज्योति बा फूले संस्थान के अध्यक्ष राजकुमार सैनी, योगेन्द्र गहलोत, भंवर सैनी, तेजकरण सैनी, राजेन्द्र सैनी, सुरेशकुमार सिंगोदिया ने अस्पताल भवन के लिए जमीन का दान करने वाले भामाशाहों का बहुमान किया।

सावित्री बाई फूले जयन्ती पर सभापति पायल सैनी ने किया कम्बल वितरण

03 जनवरी। नगरपरिषद सभापति पायल सैनी ने रविवार को भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले के 190 वे जन्मदिन के अवसर पर महाराणा प्रताप के वंशज माने जाने वाले पंखा सर्किल के पास डेरा डालकर रह रहे गाडिया लुहारो की बस्ती में गाडिया लुहार परिवारो को ठिठुरती सर्दी में सम्बल प्रदान करते हुए कम्बलो का वितरण किया। इस अवसर पर सावित्री बाई फूले का स्मरण करते हुए सभापति पायल सैनी ने कहा कि सावित्री बाई फूले ने अपने जीवनकाल में महात्मा फूले के साथ मिलकर कई बालिका विद्यालय खोले। उन्होने नारी शोषण के विरू) सामाजिक व कई किसान मजदूर आन्दोलन का नेतृत्व भी किया। सभापति ने कहा कि प्रथम शिक्षिका विदुषी मां सावित्री बाई फूले के जन्मदिवस पर उन्हे स्मरण करते हुए सभी उनके बताये मार्ग पर चलने की शपथ ले।

राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा से समाज को गौरवान्वित करने वाले डीडवाना के इटली निवासी

मरूधरा के लाल सिंगर

जेठाराम उर्फ गणेश पंवार

यूरोप में हजारों लोगों को धर्म एवं अध्यात्म से जोड़ने वाले

सनातन धर्म सभा मन्दिर (अर्जीनियानु) विचेंसा - ईटली में विशेष सहयोगी

इटली में राजस्थानी भाषा के राजदूत के रूप में सिंगर जेठाराम सैनी को गोरे लोग भी जानने लगे हैं। मायड़ भाषा में अपनी विशिष्ट शैली और अंदाज के माध्यम से सुरों के साधक ने युरोप का कोई शहर नहीं छोड़ा होगा जहां उनके भजनों, गीतों की लय ताल नहीं बजी हो। अपने व्यवसाय एवं नौकरी के अलावा जो भी समय बचता है उसे बस भजन और गीतों के लिए ही छोड़ रखा हो जैसे।

सैनी जेठाराम का अब इटली के शहर में स्थाई निवास हो गया है। यहीं नहीं अपनी अपणायत, मुस्कराहट के जरिये राज्य से जाने वाले इन तक पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति को यथोचित समय, मान सम्मान दे कर उसका आतिथ्य भी करने में कहीं चूक नहीं करते।

हां तक पहुंचने का मार्ग और उसके संघर्ष की गाथा हम सभी को प्रेरित करने वाली है। साधारण से परिवार में जन्म लेकर अपना लक्ष्य साधना कितना कठिन है यह जेठाराम जी से ज्यादा कौन जान सकता है वैसे बचपन से ही पूत के पग पालने में दीखने लग गये थे। बाल्यावस्था में गीत और संगीत की साधना युवावस्था में पहुंचते पहुंचते परवान पहुंच गई। डीडवाना शहर एवं उसके बाहर भी उनकी आवाज की गूंज होने लगी। समाज के अलावा भी उनके सार्वजनिक कार्यक्रम होने लगे। कुल मिलाकर यह कहें कि उनका भजन पकने लगा था। सृजनात्मक प्रतिभा अंकुरित हो गई थी। भजनों के नामदारों में डीडवाना व उसके आस पास के क्षेत्रों में अपनी अलख से जाने पहचाने लगे। लेकिन कहते है पापी पेट सभी को थका देता है। धीरे धीरे जमीनी सच्चाई सामने आने लगी। गीत और भजनों से घर नहीं चल सकता था। तीन भाई दो बहिनें भरा पूरा परिवार कमाने वाले केवल एक। जेठाराम जी पिताजी श्री हनुतारामजी के अकेले कंधों पर बोझ कुछ ज्यादा ही था। ऐसे में घर में सबसे बड़े होने के नाते अपने बड़े होने का दायित्व निर्वाहन करने के लिए जेठाराम जी ने डीडवाना में कभी बैंक में कभी बिजलीघर में अपनी श्रम साधना की। विवाह के बाद जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ने लगा था। उनकी पत्नी श्रीमति मुन्नीदेवी भी इन्हें जितना हो सके मदद करती पर सब कुछ होते हुए भी गाड़ी पटरी पर आने का नाम नहीं ले रही थी। जितना भी कुछ कमाते घर में खप जाता। संगीत साधना के लिए समय तक नहीं मिलता। ऐसे में उन्हें लगने लगा कि इन सपनों को जो उन्होंने बचपन में साधे थे पूरे नहीं हो सकेंगे। कुछ संकल्प कुछ विकल्पों की तलाश करते करते वे दुबई के लिए निकल गए। कुछ समय दुबई में गुजारने के बाद सउदी अरब में ही गुजरे। यहां पर एक बिजली कंपनी में लगे रहे। भजन कीर्तन यहां संभव नहीं हुए मन फिर निरंतर भजनों की ओर सक्रिय होने लगा, इस पशोपेश में सउदी अरब को छोड़ कर फिर से डीडवाना लौट आए।

फिर से एक संकल्प। हर बार टूटते बिखरते जेठाराम जी ने हार नहीं बानी फिर से डीडवाना में होली पर लोकगीत गाते हुए छने लगे कहते है संगीत में वो शक्ति है जो थके हुए को भी नाचने के लिए विवश कर देती है ऐसा ही कुछ जेठाराम जी के साथ हुआ होली के धमालो ने फिर से जीवन में धमाल मचा दिया थिरकते पांवो में घुघरूओं की नाद बजने लगी, कंठ से गीत नृत्य के जरिए लय ताल में अपने सारे दुखों को भूल गए।

वे बताते है कि ऐसी ही किसी सामाजिक कार्यक्रम में गा रहे थे तभी उनसे एक जौहरी मिलने आया और उन्हें पूछने लगा कि क्या मेरे साथ अपनी संगीत की स्वर लहरियों को निखरने के लिए यूरोप चलोगे। अंधे को तो जैसे कोई दो आंखें मिल गई थी। जेठाराम जी ने दुबारा अपनी उड़ान को अवसर दिया। जर्मनी, पेरिस और इटली में इनके राजस्थानी गीत भजन सराहे जाने लगे। बहुत विचार कर उन्होंने इटली के शहर वेनिस पादवा सिटी को चुना और आज डीडवाना का यह लाल सिंगर जेठाराम उर्फ गणेश पंवार अपनी आवाज को अपनी ताकत बना कर अगस्त 1999 से इटली यूरोप में राजस्थानी के राजदूत बन कर राजस्थानी भाषा का प्रचार प्रसार ही नहीं समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। जेठाराम जी ने इटली में सलासार हनुमान जी के मंदिर को बनवानें में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वहीं नहीं यूरोप में आपके ऑनलाईन शो होते है और फेस बुक पर राजस्थान एसोसियेशन यूके पेज के माध्यम से भी भजनों के कार्यक्रमों का आयोजन कर वहां रह रहे भारतीय लोगों को मायड़ भाषा और धर्म और अध्यात्म से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। अपनी जमीन से जुड़े होने के कारण आपने अपने पुत्र का विवाह डीडवाना में आयोजित समाज के सामूहिक विवाह में कर आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत किया था जिस पर समाज की ओर से आपको सम्मानित भी किया गया।

हमें मरूधरा के इस लाल पर गर्व है।

प्रस्तुति : जितेन्द्र जालौरी

संजीत सैनी नेवी में बनें सब लेफ्टिनेंट

नारनौल। स्थानीय मोती नगर निवासी जाने माने इतिहासकार एडवोकेट रतनलाल सैनी के बेटे ने एक माह में दो बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके पौत्र संजीत सैनी ने जहां भारतीय नेवी में सब लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्ति पाई वहीं संतीत के पिता एवं एडवोकेट रतनलाल सैनी के बड़े बेटे राजपाल सैनी को कमांडर पद से कप्तान पर पदौन्नति हासिल हुई है। दोनों पिता पुत्र भारतीय नेवी में रहते हुए देश की सेवाएं कर रहे है। एडवोकेट रतनलाल सैनी ने बताया कि राजपाल सन 1989 में नेवी में सब लेफ्टिनेंट पद पर भर्ती हुए थे। अब संतीज सैनी ने बीटेक इंफोरमेशन टेक्नालाजी से मणिपाल सिक्किम युनिवर्सिटी के जयपुर कैंपस से पासआउट किया है। अब संजीत भी अपने पिता की राह पर चलते हुए सब लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्त हो गए है। राजपाल सैनी नारनौल के जाने माने इतिहासकार रतनलाल सैनी के बड़े बेटे है। इस अवसर पर बजूमोहन सैनी, धर्मसिंह, जयसिंह, हरीश सैनी, सोमप्रकाश, गोविंद, भारत भूषण, रोहताश, राकेश, प्रो. सीएस यादव, हरिराम, सुभाष चंद्र व पुरूषोत्तम ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की।

श्रीमति सरिता सैनी ने प्राप्त की पीएसडी डिग्री

झुंझुनूं। डॉ. युद्धवीर सिंह खिरवा के निर्देशन में नवलगढ़ की बेटी सरिता सैनी ने डाक्टर उदयभानू सिंह का हिंदी आलोचना में योगदान विषय पर शोध कार्य किया। वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक भूखरेड़ी में हिन्दी के व्याख्याता पद पर सरीता सैनी अपनी सेवा दे रही है। सरिता सैनी ने इस उपलब्धि का श्रेय गुरूजनों के साथ माता मीरादेवी, पिता गोंडाराम सैनी के साथ ही अपने सास ससुर व पति देवेन्द्र कुमार सैनी को दिया। श्रीमति सरिता सैनी को हार्दिक बधाई।

कमलकांत सैनी का वायुसेना में पायलट पद पर चयन से क्षेत्र में खुशी

राजगढ़। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम आमकिवाल का कमलकांत सैनी वायु सेना का पायलट बनेगा इसे लेकर ग्रामिणों में खुशी दिखाई दे रही है। कमल कांत के पिता प्रकाश चंद सैनी कुछ वर्ष पूर्व ही सेना से रिटायर हुए है और वह मूल रूप से गांव आमकिवाल के निवासी है। कमलकांत सैनी मैकनिकल से इंजीनियरिंग की पढ़ाइ के साथ साथ सेना में उच्च पद के लिए तैयारी कर रहा था और उसका सपना सेना में अधिकारी पद पर पहुंच कर देश की सेवा करने का था। इसी क्रम में सालभर की कठिन चयन प्रक्रिया पास करने के बाद कमलकांत सैनी का चयन वायुसेना में फ्लाइंग अफसर (पायलट) पद पर हो गया है। वह जल्द ही वायुसेना ज्वाइन करने जा रहा है। कमलकांत इस बड़ी उपलब्धि को ईश्वर की कृपा और बड़ों का आशीर्वाद मानकर चल रहा है।

सुंदरलाल सैनी बने एडिशनल कमिश्नर

रायपररानी। वित्त मंत्रालय भारत सरकार के अधीन सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्टर टैक्स एवं कस्टमस द्वारा आदेश जारी कर 2008 बैच के आईआरएस सुंदरलाल सैनी को अतिरिक्त आयुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया है। आईआरएस अधिकारी सुंदरलाल सैनी हरियाणा जोन पंचकुला में पदस्थ है। रायपुर रानी खण्ड के गढ़ी कोटाहा गांव के निवासी सुदरलाल ने अपनी दसवीं तक की शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल में ग्रहण की है। सुंदर लाल ने एम.ए. तक की पढ़ाई सरकारी कॉलेज नारायगढ़ से की है।

सुंदर लाल ने 2005 से 2008 तक शिक्षा विभाग हरियाणा में अपनी सेवाएं दी है। यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सुंदरलाल सैनी ने चंड़ीगढ़, रोपड़, अमृतसर, पठानकोट और अम्बाला में भी बतौर आईआरएस अधिकारी अपनी सेवाएं प्रदान की है। वर्तमान में सुंदरलाल पंचकूला में बीएसटी ऑडिट और अपील में कार्यरत है। सुंदरलाल सैनी की गिनती सादा जीवन, उच्च विचार, कर्मठ ईमानदार अधिकारी के तौर पर की जाती है।

संतोष सांखला 9252067133 9414359805

नेमीचंद सांखला 9529551444

आ. पी. तंवर 9414117306

तंवर मार्बल

मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)

E-Mail : marbletanwar@gmail.com

शोरूम : सैनी कॉम्प्लैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

निर्मल कच्छवाहा बनें नागरिक सहकारी बैंक के चेयरमैन

जोधपुर। भारतीय रिजर्व बैंक के आदेशानुसार जोधपुर नागरिक सहकारी बैंक में पांच सदस्यीय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर का गठन किया गया। इसमें निर्मल कच्छवाहा को चेयरमैन नियुक्त किया गया, जबकि गणपत सिंह चौहान, एस. एन. गट्टानी, घनश्याम डागा एवं गिरीश लोढ़ा को बोर्ड सदस्य बनाया गया। ज्ञात रहे निर्मल कच्छवाहा काफी समय से बैंक से जुड़े हुए है आप पूर्व विधायक एवं समाज सेवी स्व. माधोसिंह कच्छवाहा के सुपुत्र है। सामाजिक संस्थाओं के प्रबुद्धजनों के साथ ही राज्य सभा सांसद एवं बैंक के चेयरमैन ने निर्मल कच्छवाहा सहित सभी नव नियुक्त सदस्यों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

माली सैनी संदेश पत्रिका में प्रकाशित समाचार एवं मुख्यमंत्री कार्यालय में पत्राचार के बाद

राज्य सरकार की खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी सेवा में लेते हुए समाज की दिव्यांग पूरण चौहान द्धगोल्ड मेडलिस्टत्र लिपिक ग्रेड 2 के लिए चयन हुआ हैं। ज्ञात रहे हमारे पिछले दिसबंर - 2020 के अंक में पूरण को सरकारी सहायता नहीं मिलनी की न्यूज प्रकाक्षित कर मुख्यमंत्री अक्षोक गहलोत के संज्ञान में यह मामला लाया गया था। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरण का सरकारी सेवा में चयन हुआ। आदरणीय अशोक गहलोत का आभार अभिनन्दन। इससे पूर्व गत वर्ष ही 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर राज्य सरकार ने राज्य पुरस्कार द्वारा पूरण चौहान को सम्मानित भी किया गया था।

हार्दिक बधाई

उत्तरप्रदेश - लखनऊ के डीएम द्वारा समाज की युवा शिवानी सैनी (नेशनल हाकी प्लेयर) को सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई

रामकरण ने ऑल इण्डिया में 15वीं रेंक हासिल की

जोधपुर। पीपाड़ सिटी के सांखलों का बेरा निवासी रामकरण सांखला पुत्र पप्पुराम सांखला ने जूनियर इंजिनियर भर्ती परीक्षा में ऑल इण्डिया में 15वीं रेंक सिविल हासिल कर अपने माता पिता के साथ समाज का नाम रोशन किया। रामकरण सामान्य परिवार से संबध रखता है तथा उसके पिता पपुराम मजदूर है एवं माता सब्जी बेचने का कार्य करती है। रामकरण की सफलता पर सामाजिक कार्यकर्ता मिसाराम सांखला, बाबूलाल सांखला, विशनाराम, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश सांखला सहित समाज के प्रबुद्धजनों ने माल्यार्पण कर एवं साफा पहना कर अभिनंदन किया।

सैनी सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति की बैठक 10 जोड़ों का हुआ रजिस्ट्रेशन

पावटा। कस्बे के राम विहार गार्डन में रविवार 18 जनवरी को सैनी समाज ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज प्रदेशाध्यक्ष रामसिंह सैनी की अध्यक्षता व रामजीलाल सैन के मुख्य आतिथ्य में बैठक हुई। प्रदेशाध्यक्ष रामसिंह सैनी ने समाज में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने सैनी समाज के 16 फरवरी बसंत पंचमी को होने वाले सामूहिक विवाह के बारे में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में विवाह के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने की अपील की। ब्लाक अध्यक्ष रामसिंह पाथराण ने बताया कि 11 सदस्यीय कमेटी का गठन कर जिम्मेदारियां सौंपी गई। समिति अध्यक्ष रामनिवास सैनी ने बताया कि अब तक 10 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। इस मिटिंग में ओमप्रकाश सैनी, रामेश्वर सैनी, बजरंग बागड़ी, राजेन्द्र, बिड़दीचंद, बाबूलाल, रामकुमार व कैलाशचंद्र सहित समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

पृष्ठ 13 का शेष ....

गार्डन 1 पेसिफिक गार्डन की जिम्मेदारी कैलाश आर्य, रमेश गहलोत, रमेश माली, महावीर सांखला, अनिल कुमार सांखला, गार्डन 2. सूरजगढ़ - अक्षयसिंह टाक, विरेन्द्रसिंह देवड़ा, सम्पतसिंह भाटी, मनीष रांकावत, आशीष कच्छवाहा, गार्डन नं. 3 हरिओम-मुकेश गहलोत, हेमसिंह सांखला, धनराज बागरेचा, माधोसिंह परिहार गार्डन नं. 4 शंकर गार्डन- मुकेशराज गहलोत, खींवसिंह परिहार, जगदीश परिहार, मनमोहन सांखला, गार्डन नं. गार्डन नं. 4 की जिम्मेदारी मुकेश गहलोत, हेमसिंह सांखला, धनराज बागरेचा, माधोसिंह परिहार द्वारा संतोषप्रद रूप से निभाई गई। भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी राधाकृष्ण वाटिका व सूरजगढ़ में मोहनसिंह गहलोत, छंवरसिंह कच्छवाहा, कुन्दन गहलोत, जवरीलाल गहलोत को दी गई। इन सभी समिति हेतु कार्यालय प्रभारी रणजीतसिंह गहलोत, ओमप्रकाश गहलोत, राजूराम गहलोत, गोपालसिंह गहलोत के नेतृत्व में रही। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्य मनोहरसिंह सांखला-अध्यक्ष, किशनसिंह देवड़ा, पृथ्वीसिंह गहलोत, ठे.छगनीराम गहलोत-संरक्षक, लक्ष्मणसिंह सांखला, सुखसिंह कच्छवाहा, लक्ष्मणसिंह सोलंकी, प्रेमसिंह गहलोत-उपाध्यक्ष, भंवरचन्द्र सोलंकी-महासचिव, जयन्त सांखला व श्रवणसिंह गहलोत-सचिव, हनुमानसिंह गहलोत-संगठन सचिव, प्रेमसिंह परिहार-कोषाध्यक्ष आदि सभी सदस्य अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शुभा बढ़ाई। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष मनोहरसिंह सांखला ने सभी वर-वधु और उनके परिवार, समिति सदस्यों और सहयोगी संस्थाओं, सभी सरकारी संस्थानओं और निगम को सधन्यवाद ज्ञापित किया।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री अमरेन्द्र सिंह कुशवाह जी को उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड, उत्तर प्रदेश का निदेशक नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई, माननीय राज्यपाल महोदया को कोटि-कोटि धन्यवाद।

ईमानदार, दबंग पुलिस अश्वफिसर सम्मानीय श्रीमान अरुण सैनी को जालंधर पंजाब के पुलिस कमिश्नर बनने पर हार्दिक बधाई अभिनंदन शुभकामनाएं।

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री आदरणीय श्री रामसेवक सिंह कुशवाहा को बिहार प्रदेश जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हण्गाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य) , सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चदसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेतारम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकाराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सूरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटूराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री रागाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पूराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्धाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छवा, अजमेर
श्री तारांचद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडेनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाह,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर

नासिक में आयोजित सावित्री बाई फूले जयंति कार्यक्रम की झलकियां

मुख्य आतिथ्य
छगन भुजबल मंत्री महाराष्ट्र सरकार

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाउस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR